नवसर्जन संस्कृति

RNI No. GJHIN/25/A2786
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 012
दि. 12.10.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : JIGNESHKUMAR PETHABHAI VAGHELA Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

बालिकाओं की सुरक्षा केवल शरीर की नहीं, बल्कि भयमुक्त वातावरण देने की है: CJI बीआर गवई

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि बालिकाओं की सुरक्षा का अर्थ केवल उनके शारीरिक संरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें भय से मुक्त करना, उनके आत्मसम्मान को बनाए रखना और उन्हें समान अवसरों के साथ जीवन जीने का अधिकार देना भी है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसा समाज होना चाहिए जहाँ बालिकाएं न केवल सम्मान के साथ अपना सिर ऊंचा रख सकें, बल्कि उनकी आकांक्षाओं को शिक्षा, समानता और स्वतंत्रता से पोषण मिले।

सीजेआई गवई ने यह संदेश यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति (जे.जे.सी.) के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श में दिया, जिसका विषय था "बालिकाओं की सुरक्षाः भारत में उनके लिए सुरक्षित और सक्षम वातावरण की स्थिति"। उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर की प्रसिद्ध कविता "Where the Mind is Without Fear" का उल्लेख करते हुए कहा कि यह कविता बालिकाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों के लिए किए जाने वाले प्रयासों का सार प्रस्तुत करती है। उन्होंने बताया कि बालिकाओं का भयमुक्त होना तभी संभव है जब वे हिंसा, भेदभाव और शिक्षा तथा अवसरों से वंचित होने के डर से मुक्त हों। डिजिटल युग की पृष्ठभूमि में सीजेआई गवई ने ऑनलाइन उत्पीड़न, साइबर धमकी, डिजिटल स्टॉकिंग, व्यक्तिगत डेटा के दुरुपयोग और डीपफेक तस्वीरों के खतरों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति के साथ-साथ नई कमजोरियां भी उत्पन्न हुई हैं, जो विशेषकर बालिकाओं को प्रभावित करती हैं। इस संदर्भ में उन्होंने कानून प्रवर्तन अधिकारियों, शिक्षकों, स्वास्थ्य पेशेवरों और स्थानीय प्रशासकों के प्रशिक्षण में संवेदनशील दृष्टिकोण शामिल करने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिससे वे सहानुभूति, सूक्ष्मता और प्रासंगिक समझ के साथ बालिकाओं के मामले में प्रतिक्रिया दे सकें। सीजेआई ने कहा, "बालिकाओं की सुरक्षा केवल उनके शरीर की रक्षा नहीं है, बल्कि उनकी आत्मा को स्वतंत्र करना है। एक ऐसा समाज बनाना है जहाँ वे सम्मान के साथ अपने अधिकारों का उपयोग कर सकें और अपनी आकांक्षाओं को पूरा कर सकें। हमें पितृसत्तात्मक रीति-रिवाजों और सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बाधाओं का मुकाबला करना होगा, जो बालिकाओं को उनके उचित स्थान और अधिकारों से वंचित करते हैं।"

जस्टिस गवई ने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक बाधाओं की गहन पड़ताल की आवश्यकता पर भी जोर दिया, जो लड़कियों के जीवन में बाधक बन रही हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में कई लड़कियों को संवैधानिक और कानूनी गारंटी के बावजूद उनके मौलिक अधिकारों और जीवनयापन की बुनियादी आवश्यकताओं से वंचित रखा जाता है। यह असमानता उन्हें यौन दुर्व्यवहार, शोषण, महिला जननांग विकृति, कुपोषण, लिंग आधारित गर्भपात, तस्करी और बाल विवाह जैसी हानिकारक प्रथाओं के प्रति असुरक्षित बनाती है। इस मौके पर सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति की अध्यक्ष जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने कहा कि भारत में एक युवा लड़की को सही मायने में समान नागरिक तभी कहा जा सकता है, जब उसे अपने पुरुष समकक्षों की तरह स्वतंत्रता के साथ जीवन जीने की आकांक्षा रखने और उसे पूरा करने के लिए समान गुणवत्ता के संसाधन और समर्थन प्राप्त हों। उसे अपनी पहचान या लिंग के कारण किसी भी प्रकार की बाधा का सामना न करना पड़े।

किशोर न्याय समिति के सदस्य जस्टिस जे.बी. पारदीवाला ने बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा पर जोर देते हुए कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि प्रत्येक लड़की कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, भेदभाव और हिंसा जैसी बुराइयों से मुक्त होकर समानता के साथ जीने, सीखने और बढ़ने का अधिकार पाए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के अनुसंधान एवं योजना केंद्र द्वारा तैयार "बाल अधिकार और कानून" पुस्तिका का भी परिचय कराया, जो बालिकाओं के अधिकारों और उनके संरक्षण के लिए दिशा-निर्देश प्रदान करती है। सीजेआई गवई का यह संदेश समाज को यह याद दिलाता है कि बालिकाओं की सुरक्षा केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं हो सकती; इसके लिए एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें शिक्षा, समानता, स्वतंत्रता और भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करना शामिल हो। उनका दृष्टिकोण एक ऐसे समाज का सपना प्रस्तुत करता है, जहां बालिकाएं अपने अधिकारों और आकांक्षाओं के साथ विकसित हो सकें और देश को वास्तविक अर्थ में "स्वतंत्रता के स्वर्ग" की ओर ले जाएँ।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: कांग्रेस टिकट में वरिष्ठ नेताओं के बच्चों की दावेदारी, आलाकमान की नजर जीताऊ उम्मीदवारों पर

(जीएनएस)। नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के पहले चरण की अधिसूचना जारी हो चुकी है और कांग्रेस ने टिकटार्थियों की स्क्रीनिंग प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस बार टिकट की चाह रखने वालों की सूची में कई वरिष्ठ नेताओं के बेटे-बेटियां भी शामिल हैं, लेकिन पार्टी का मुख्य फोकस केवल 'जीतने योग्य' और क्षेत्र में मजबूत उम्मीदवारों पर है, चाहे वे किसी वरिष्ठ नेता के वारिस हों या नहीं।

पार्टी के अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री शकील अहमद, मौजूदा विधायक अजीत शर्मा, पूर्व मंत्री अवधेश सिंह और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एमएम झा ने अपने बच्चों के लिए टिकट की सिफारिश की है। मीरा कुमार के बेटे अंशुल कुमार और अखिलेश प्रसाद सिंह के बेटे आकाश सिंह पहले भी लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं और इस बार विधानसभा चुनाव में हाथ आजमाने की कोशिश कर रहे हैं। एमएम झा और शकील अहमद भी अपने बेटों का राजनीतिक करियर शुरू करना चाहते हैं। वहीं, अजीत शर्मा चाहते हैं कि उनकी बेटी, जो बॉलीवुड की अभिनेत्री हैं, सक्रिय राजनीति में शामिल हों।

हालांकि पार्टी का रुख स्पष्ट है कि वरिष्ठ नेताओं की इच्छा के बावजूद टिकट वितरण में केवल योग्य और जीतने योग्य उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी। स्क्रीनिंग कमेटी ने निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक सीट पर एक पैनल तैयार किया है, जिसमें वरिष्ठ नेताओं के बच्चों के अलावा अन्य योग्य उम्मीदवार भी शामिल हैं।

बिहार के प्रभारी एआईसीसी सचिव सुशील पासी ने ईटीवी भारत को बताया, "टिकट वितरण राजनीति का सबसे चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण पहलू है। वरिष्ठ नेताओं द्वारा अपने बेटे या बेटी के लिए टिकट की इच्छा रखना गलत नहीं है, लेकिन पार्टी के लिए मुख्य चिंता हमेशा स्थानीय स्थिति और सबसे उपयुक्त उम्मीदवार को खड़ा करना है।" सूत्रों ने बताया कि गठबंधन के तहत सीटों का बंटवारा औपचारिक रूप से तय होने के बाद ही कांग्रेस अपनी उम्मीदवारों की पहली सूची जारी करेगी। शेष सीटों के लिए अगले सप्ताह मुख्य चुनाव आयोग के समक्ष नाम प्रस्तुत किए जाएंगे। 2020 के चुनावों में कांग्रेस ने 243 में से 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था, और इस बार लगभग 60 सीटों पर चुनाव लड़ने का अवसर मिलेगा।

देवेंद्र यादव, बिहार के एआईसीसी प्रभारी, ने बताया कि गठबंधन सहयोगी सीट बंटवारे और टिकट वितरण दोनों पर तेजी से काम कर रहे हैं और समय पर प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। उन्होंने कहा, "हर सीट पर राजनीतिक और सामाजिक समीकरण बदलते हैं। इसी आधार पर निर्णय लिया जाता है। केंद्रीय पर्यवेक्षकों की प्रतिक्रिया को भी ध्यान में रखा जाता है। कुछ सीटें सामान्य चर्चा से तय हो जाएंगी, जबकि कुछ सीटों पर कठिन बातचीत की आवश्यकता होगी।" पार्टी के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि कुछ सीटों पर राजद के साथ बातचीत अभी अंतिम रूप नहीं ले पाई है, लेकिन कुछ ही दिनों में यह मुद्दा सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझ जाएगा। एआईसीसी पदाधिकारी सुशील पासी ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस अपने सहयोगियों के साथ आगामी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है और वर्तमान परिस्थितियों में एनडीए के मुकाबले बेहतर स्थिति में है, जो सीट बंटवारे को लेकर अभी संघर्ष कर रहा है। इस बार कांग्रेस का संदेश स्पष्ट है: चाहे उम्मीदवार किसी वरिष्ठ नेता के बेटे या बेटी हों, पार्टी का अंतिम फैसला उनकी जीत की संभावनाओं, क्षेत्रीय सशक्तिकरण और स्थानीय समीकरणों के आधार पर ही होगा।

अमेरिका के मिसिसिपी के स्कूल में फायरिंग, 4 की मौत और कई घायल

(जीएनएस)। मिसिसिपी, लेलैंड। अमेरिका के मिसिसिपी राज्य के छोटा शहर लेलैंड में शनिवार तड़के गोलीबारी की घटना में चार लोगों की मौत हो गई और कम से कम 12 अन्य घायल हो गए। स्थानीय समयानुसार यह घटना आधी रात के आसपास हुई। घायल लोगों में से चार को गंभीर हालत में एयरलिफ्ट के जरिए नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिली है।

लेलैंड के मेयर जॉन ली ने बताया कि गोलीबारी मुख्य सड़क पर हुई और अभी तक किसी भी संदिग्ध को हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है और हर पहलू की जांच जारी है।

घटना के समय शहर में अधिक भीड़ थी क्योंकि स्थानीय हाई स्कूल में घर वापसी (होमकमिंग) फुटबॉल मैच खेला जा रहा था। लेलैंड हाई स्कूल ने चार्ल्सटन हाई स्कूल के खिलाफ यह मैच खेलना था। अमेरिका में होमकमिंग के अवसर पर पूर्व छात्र और स्थानीय लोग स्कूल की भावना और समुदाय का जश्न मनाने के लिए जमा होते हैं, इसलिए इलाके में सामान्य से अधिक व्यस्तता देखी जा रही थी।

लेलैंड वाशिंगटन काउंटी का एक छोटा शहर है और 2020 की जनगणना के अनुसार इसकी आबादी लगभग 4,000 है। यह घटना पूरे शहर और समुदाय में चिंता और शोक का कारण बनी है। पुलिस मामले की तफ्तीश में जुटी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

गाजा विरोध में पाकिस्तान में हिंसा: लाहौर में टीएलपी-पुलिस झड़प में 11 की मौत, तनाव गहरा

(जीएनएस)। लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर में शनिवार को पुलिस और इस्लामी संगठन तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) के बीच हिंसक झड़पें जारी रहीं। प्रदर्शनकारियों को राजधानी इस्लामाबाद की ओर बढ़ने से रोकने के प्रयास के दौरान स्थिति गंभीर हो गई। टीएलपी ने पुलिस पर आरोप लगाया कि उन्होंने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें 11 उनके सदस्य मारे गए और 50 से अधिक घायल हुए।

गुरुवार को गाजा में इज़राइल द्वारा हत्याओं के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन शनिवार को और तेज़ हो गया। पंजाब पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए कई जगहों पर आंसू गैस के गोले छोड़े और लाठीचार्ज किया। इसके जवाब में प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, जिससे दर्जनों पुलिसकर्मी घायल हो गए। लाहौर के आज़ादी चौक के पास झड़पें और भी भयानक रूप ले गईं; कई पुलिस वाहनों में आग लगा दी गई और कई अधिकारी घायल हुए।

सुरक्षा बलों ने टीएलपी के हजारों प्रदर्शनकारियों को इस्लामाबाद की ओर अमेरिकी दूतावास के पास जाने से रोकने के लिए बैरिकेड्स लगाए, शिपिंग कंटेनर और खाइयाँ खोदीं। प्रदर्शनकारी संगठन के प्रमुख साद रिज़वी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहे थे। अमेरिकी दूतावास ने अपने नागरिकों को बड़ी भीड़-भाड़ से दूर रहने और अपने आसपास सतर्क रहने की चेतावनी दी। लाहौर इस्लामाबाद से लगभग 370 किलोमीटर दूर है।

यह घटना पाकिस्तान में फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनों के दौरान बढ़ते तनाव और सुरक्षा चुनौतियों को उजागर करती है, और देश के कई हिस्सों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है।

पीएम मोदी से मिले अमेरिका के नामित राजदूत, रणनीतिक साझेदारी पर हुई चर्चा

(जीएनएस)। नई दिल्ली। भारत में अमेरिका के नामित राजदूत सर्जियो गोर ने शनिवार रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों पर गहन चर्चा की। गोर ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है और दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने की संभावनाओं पर बातचीत हुई।

सर्जियो गोर ने बताया कि उनकी शुक्रवार को भारत आने के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और विदेश सचिव विक्रम मिसरी सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें हुईं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी के साथ मेरी बैठक शानदार रही। हमने रक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकी समेत द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।''

गोर ने बताया कि बैठक में महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व पर भी चर्चा हुई, जो दोनों देशों के औद्योगिक और तकनीकी सहयोग में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी को अपना महान और व्यक्तिगत मित्र मानते हैं।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में अहमदाबाद में 10वां स्टील ब्रिज स्थापित

(जीएनएस)। अहमदाबाद/मुंबई। देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल अब तेज़ी से आगे बढ़ रही है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (NHSRCL) ने अहमदाबाद में इस परियोजना के तहत 10वां स्टील ब्रिज सफलतापूर्वक स्थापित किया है। यह क्षेत्र में लगाया गया पहला स्टील ब्रिज है। NHSRCL के अनुसार, 60 मीटर लंबा यह ब्रिज पश्चिम रेलवे की लॉन्ड्री सुविधा के ऊपर बनाया गया है। ब्रिज का इंस्टॉलेशन कार्य मात्र सात घंटे में पूरा हुआ। इसे अस्थायी ट्रैसलों पर जमीन से 16.5 मीटर ऊंचाई पर असेंबल किया गया और बाद में दो 200-टन क्षमता वाले अर्ध-स्वचालित जैक की मदद से साइड-स्ल्यू किया गया।

ब्रिज 485 मीट्रिक टन वजनी है, जिसकी ऊंचाई 12 मीटर और चौड़ाई 11.4 मीटर है। इसका निर्माण महाराष्ट्र के वर्धा (नागपुर) स्थित कार्यशाला में किया गया और विशेष ट्रेलरों के जरिए अहमदाबाद लाया गया। निर्माण में लगभग 20,360 उच्च शक्ति वाले टीटीएचएस बोल्ट का उपयोग किया गया। बेहतर स्थायित्व और कंपन नियंत्रण के लिए ब्रिज को सी5 ग्रेड प्रोटेक्टिव पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बीयरिंग से सुसज्जित किया गया है।

इस तरह की आधुनिक तकनीक और सटीक इंजीनियरिंग ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना को और अधिक मजबूती और स्थायित्व प्रदान किया है। यह कदम परियोजना की समयसीमा में तेजी लाने और पूरे मार्ग में विश्वसनीय हाई-स्पीड रेल नेटवर्क बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कोडीन कफ सिरप की अवैध सप्लाई: कारोबारी दीपक मलवानी गिरफ्तार, 3 लाख रुपये की दवाइयां जब्त

(जीएनएस)। लखनऊ। नारकोटिक्स विभाग और FSDA की संयुक्त कार्रवाई में कोडीन कफ सिरप की अवैध सप्लाई करने वाले कारोबारी दीपक मलवानी को गिरफ्तार कर लिया गया है। एसीपी कृष्णनगर अभय कुमार मल्ल ने बताया कि आरोपी के घर से तीन लाख रुपये मूल्य की कोडीन सिरप और अन्य प्रतिबंधित दवाइयां बरामद की गई हैं।

मुखबिर की सूचना पर आलमबाग के वीआईपी रोड, स्नेह नगर स्थित मकान पर छापा मारा गया। इस दौरान बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित कोडीन कफ सिरप जब्त की गई। आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में दीपक मलवानी ने स्वीकार किया कि वह अपने भाई मनदीप मलवानी की अमीनाबाद स्थित दवा की दुकान से प्रतिबंधित दवाइयां सप्लाई करता था। आरोपी की निशानदेही पर और भी कोडीन सिरप बरामद किया गया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी बृजेश कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश में लगातार इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। जांच के दौरान जिन मेडिकल स्टोर या अस्पतालों में मानक के अनुरूप सिरप उपलब्ध नहीं हैं, उन पर कार्रवाई की जा रही है।

प्रदेश में 37 कफ सिरप बनाने वाली कंपनियों का निरीक्षण किया गया, जिसमें 38 रॉ मैटेरियल और 31 फिनिश गुड्स के नमूने जांच के लिए एकत्र किए गए। निरीक्षण के दौरान लखनऊ, सहारनपुर, मथुरा और अलीगढ़ की चार निर्माण इकाइयों में गंदगी पाई गई। साथ ही औषधि प्रसाधन अधिनियम, 1940 के तहत मांगे गए अभिलेख न देने पर इन फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। यह कार्रवाई कोडीन सिरप और अन्य प्रतिबंधित दवाओं की अवैध सप्लाई पर नियंत्रण और सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत की गई है।

उदयपुर में भीषण सड़क हादसाः भैंस बचाने की कोशिश में पांच वाहन टकराए, चार की मौके पर मौत

(जीएनएस)। उदयपुर। राजस्थान के उदयपुर जिले में शनिवार रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें पांच वाहन आपस में भिड़ गए और चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा ऋषभदेव थाना क्षेत्र के मयूर मिल के पास घटित हुआ। हादसा इतना भयानक था कि बोलेरो सवार चार लोग मौके पर ही काल के गाल में समा गए, जबकि कई अन्य लोग घायल हो गए।

हादसे की वजह एक भैंस थी। ऋषभदेव थानाधिकारी भरत सिंह राजपुरोहित ने बताया कि उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर अचानक एक भैंस आ गई। उसे बचाने के प्रयास में एक कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई और वहां से गुजर रहे अन्य वाहनों से टकरा गई। इसके बाद पीछे आ रही गाड़ियों में एक टैंकर, ट्रक, बोलेरो और कार शामिल हो गई और भीषण टक्कर हो गई। टकराई गाड़ियों में एक कार पूरी तरह से चकनाचूर हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बोलेरो गाड़ी से उतर चुके चार लोग ट्रेलर की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर लंबा जाम लग गया और भारी भीड़ जमा हो गई। मौके पर चीख-पुकार मच गई और लोग स्तब्ध रह गए।

सूचना मिलने पर ऋषभदेव थाना पुलिस तुरंत राहत और बचाव कार्य में जुट गई। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटाया और सुनिश्चित किया कि कोई फंसा न हो। घायलों को तत्काल ऋषभदेव अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर रूप से घायल अजमेर के किशनगढ़ निवासी कैलाश पुत्र गणपतलाल को प्राथमिक उपचार के बाद उदयपुर रेफर किया गया। उपखंड अधिकारी भागचंद रेगर और थानाधिकारी भरत सिंह राजपुरोहित पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

मृतकों की पहचान सलूंबर क्षेत्र के सेमारी क्षेत्र के भोराई घाटा निवासी अनिल (30) पुत्र मूलचंद मीणा, डूंगरपुर के खेमा निवासी ईश्वर पुत्र धुला मीणा, सेमारी के शक्तावतों का गढ़ा निवासी जीजा देवी (24) पत्नी जितेंद्र कुमार कटारा और भोराई घाटा निवासी बसंती (54) पत्नी मूलचंद मीणा के रूप में हुई है। सभी मृतक अपने परिजन से मिलने उदयपुर आए थे और घर लौट रहे थे।

संपादकीय

गाजा में स्थायी संघर्ष विराम सुनिश्चित हो

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारी दबाव व मध्यपूर्व के देशों की पहल के बाद गाजा में इस्राइल व हमास के बीच संघर्ष विराम की तसवीर उभरी है। यह कहना कठिन है कि यह समझौता कितने दिन टिकेगा क्योंकि समझौते के बाद भी इस्राइल ने गाजा के कुछ इलाकों में बमबारी की है। कहना मुश्किल है कि ट्रंप वास्तव में गाजा के लोगों को न्याय दिलाने चाहते हैं, या उनके समझौते के प्रयासों का लक्ष्य नोबेल शांति पुरस्कार पाना था। दरअसल, शांति के नोबेल पुरस्कार की घोषणा और युद्धविराम की घोषणा की तिथियां आसपास ही थीं। नोबेल शांति पुरस्कार के लिये ट्रंप जैसा उतावलापन दिखा रहे थे, उससे दुनिया की नंबर एक महाशक्ति के नायक की जगहंसाई ही हुई है। बहरहाल, गाजा में शांति स्थापना के प्रयासों का सिरे चढ़ना स्वागतयोग्य ही कहा जाएगा। हालांकि, इस समझौते के लिये ट्रंप द्वारा इस्राइल व हमास पर भारी दबाव डाला गया। दबाव में किया गया यह समझौता कितने दिन टिकेगा, कहना मुश्किल है। समझौते के बाद भी इस्राइल की बमबारी इस समझौते की दुखती रग है। वहीं हमास बीस सूत्री समझौते पर कितने दिन कायम रहता है, ये आने वाला वक्त ही बताएगा। समझौते की शर्तों में हमास का निशस्त्रीकरण करना और गाजा में उसकी प्रशासनिक दखल बंद करना भी शामिल है। कहना कठिन है कि अरब देशों के दबाव में बातचीत की टेबल पर आया हमास इन शर्तों पर कब तक कायम रह पाता है। वह समझौते की टेबल पर तब आया जब ट्रंप ने समझौता न करने पर नेस्तनाबूद करने की धमकी दे दी थी। उल्लेखनीय है कि इस्राइल और हमास के बीच दो साल से जारी संघर्ष के बीच अमेरिका ने यह शांति योजना पेश की थी। जिसे मिस्र में आयोजित बातचीत में हितधारकों ने अंतिम रूप दिया। जिससे इस अशांत क्षेत्र और पश्चिमी एशिया में शांति की उम्मीद हकीकत बनी। दरअसल, इस संघर्ष से न केवल गाजा बल्कि लेबनान, यमन और ईरान तक को अपनी चपेट में ले लिया था।

दरअसल, यह संघर्ष दो साल पहले तब शुरू हुआ जब 7 अक्तूबर को हमास के आतंकवादियों ने इस्राइल में घुसकर कोहराम मचाया। उस हमले में बारह सौ इस्राइली व कुछ विदेशी मारे गए थे और ढाई सौ लोगों को बंधक बनाकर हमास के हमलावर गाजा ले गए थे। उसके जवाब में इस्राइल द्वारा किए गए ताबड़-तोड़ हमलों में करीब 65 हजार से अधिक फलस्तनियों के मारे जाने का दावा किया जाता है। आज गाजा भूतहा खंडहरों के शहर में तब्दील हो चुका है। लाखों लोगों को बार-बार पलायन के लिये मजबूर होना पड़ा है। विडंबना यह है कि भले ही इस्राइल ने हमास के क्रूर हमले के जवाब में सैन्य कार्रवाई की हो, मगर इन हमलों का शिकार आम फलस्तीनी नागरिकों को होना पड़ा है। मरने वालों में बड़ी संख्या बच्चों और महिलाओं की है। यहां अस्पताल से लेकर तमाम सार्वजनिक सेवाएं ध्वस्त हो चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि की थी कि गाजा में लोग भुखमरी के शिकार हैं क्योंकि इस्राइल ने राहत सामग्री के पहुंचने के सारे रास्ते बंद कर दिए थे। इस्राइल और अमेरिका की देखरेख में शुरू किए गए कथित राहत सामग्री वितरण कार्यक्रम में इस्राइली हमलों में हजारों फलस्तीनी मारे गए थे। कालांतर, यह लड़ाई इस्राइल व लेबनान के बीच संघर्ष में तब्दील हुई। हूती विद्रोहियों के साथ संघर्ष के बाद लड़ाई ईरान तक पहुंची। हूतियों के हमलों से समुद्री मार्ग से होने वाला वैश्विक व्यापार तक बुरी तरह प्रभावित हुआ। बहरहाल, अब जब इस्राइल व हमास संघर्ष विराम पर राजी हो गए हैं तो अब प्रयास हो कि यह शांति स्थायी हो सके। हालांकि, मौजूदा हालात में यह कहना कठिन है कि बेहद आक्रामक तेवर दिखा रहा इस्राइल भविष्य में चुप बैठेगा। हमास बीस इस्राइली बंधकों तथा मारे गए लोगों के शव लौटाने को राजी हुआ है। जिसके बदले में इस्राइल द्वारा हमास के कुछ लड़ाकों समेत हजारों फलस्तीन कैदियों को रिहा किया जाना है। कहने को तो गाजा से इस्राइली सैनिकों की वापसी की शर्त भी है, लेकिन अमेरिकी सरपरस्ती में निरंकुश व्यवहार कर रहे इस्राइल से इस मुद्दे पर आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता है।

जलवायु संकट का भावनात्मक सेहत पर असर

> जलवायु परिवर्तन केवल एक पर्यावरणीय समस्या या आर्थिक चुनौती नहीं है। यह एक मानसिक स्वास्थ्य संकट भी है जो दुनिया के सबसे गरीब लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है। मौसम संबंधी आघातों को रोकने के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटना महत्वपूर्ण है।

जलवायु परिवर्तन के कारण बढ़ता तापमान दुनियाभर के लाखों लोगों के भावनात्मक स्वास्थ्य को सीधे तौर पर प्रभावित कर सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि तापमान, आर्द्रता और धूप जैसी मौसम की स्थितियां आपके मूड, ऊर्जा और संज्ञानात्मक कार्यों पर असर डाल सकती हैं। अत्यधिक तापमान अक्सर मूड को खराब कर देता है, जबकि मध्यम, धूप वाली स्थितियां मूड को बेहतर बना सकती हैं। कुछ लोग जिनमें वृद्ध और मनोविकार वाले लोग शामिल हैं, मौसम परिवर्तनों के प्रति अधिक संवेदनशील हो सकते हैं। संभवतः चिड़चिड़ापन, माइग्रेन और अनिद्रा जैसे लक्षणों का अनुभव कर सकते हैं।

जलवायु परिवर्तन और चरम मौसम की घटनाएं मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं, जिससे तनाव, चिंता, डिप्रेशन और पीटीएसडी (पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर) बढ़ सकता है। सोशल मीडिया डेटा के एक बड़े अध्ययन से पता चला है कि अत्यधिक गर्मी में लोग काफी ज्यादा चिड़चिड़े हो जाते हैं। शोधकर्ताओं ने 157 देशों के 1.2 अरब सोशल मीडिया पोस्ट की समीक्षा की। ये सभी 2019 के दौरान पोस्ट किए गए थे। उन्होंने 65 अलग-अलग भाषाओं में लिखे गए पोस्ट का विश्लेषण करने के लिए उन्नत कंप्यूटर प्रोग्राम का इस्तेमाल किया और प्रत्येक पोस्ट को उसके सकारात्मक या नकारात्मक होने के आधार पर स्कोर दिया।

शोधकर्ताओं ने लोगों के मूड स्कोर का मिलान स्थानीय मौसम के आंकड़ों से किया ताकि यह देखा जा सके कि

तापमान का लोगों की ऑनलाइन बातों पर क्या असर पड़ा। इसके नतीजे दुनिया भर में स्पष्ट और एक जैसे थे। जब तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया, तो कम आय वाले देशों में लोगों के पोस्ट लगभग 25 प्रतिशत ज्यादा नकारात्मक हो गए। अमीर देशों में नकारात्मकता लगभग 8 प्रतिशत बढ़ गई। चीनी विज्ञान अकादमी के विज्ञानी जियांगहाओ वांग ने कहा, सोशल मीडिया डेटा हमें विभिन्न संस्कृतियों और महाद्वीपों में मानवीय भावनाओं की एक अभूतपूर्व झलक प्रदान करता है। यह डेटा हमें जलवायु परिवर्तन के भावनात्मक प्रभावों के पैमाने को मापने में मदद करता है जो पारंपरिक सर्वेक्षणों से संभव नहीं है। यह हमें वास्तविक समय में यह जानकारी देता है कि तापमान दुनिया भर में मानवीय भावनाओं को कैसे प्रभावित करता है।

शोधकर्ताओं ने विश्व बैंक के आंकड़ों का उपयोग करके देशों को आय स्तर के आधार पर अलग किया, जिसकी विभाजन रेखा प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 13,845 डॉलर निर्धारित की गई। इस सीमा से नीचे के देशों में गर्मी के प्रति भावनात्मक प्रतिक्रियाएं धनी देशों की तुलना में अधिक प्रबल थीं। यह इस बात को ध्यान में रखते हुए तर्कसंगत है कि अमीर देशों में अधिक एयर कंडीशनिंग और बेहतर स्वास्थ्य सेवा है। चरम मौसम से निपटने के लिए उनके पास मजबूत बुनियादी ढांचा है।

इस अध्ययन का नेतृत्व करने वाले एमआईटी के सिकी झेंग ने कहा कि हमारे अध्ययन से पता चलता है कि बढ़ता तापमान न केवल शारीरिक स्वास्थ्य या आर्थिक उत्पादकता के लिए खतरा है बल्कि यह दुनियाभर में लोगों की दैनिक भावनाओं को भी प्रभावित करता है। शोधकर्ताओं द्वारा प्रयुक्त एआई सिस्टम दर्जनों भाषाओं में लिखे गए पाठ के भावनात्मक लहजे को समझ सकता है, जिससे विभिन्न संस्कृतियों और देशों में भावनाओं की तुलना करना संभव हो जाता है।

शोधकर्ता वर्तमान परिस्थितियों तक ही सीमित नहीं रहे। उन्होंने जलवायु मॉडल का उपयोग करके यह अनुमान लगाया कि 2100 तक अत्यधिक गर्मी मानवीय भावनाओं को कैसे प्रभावित कर सकती है। यह मानते हुए कि लोग समय के साथ उच्च तापमान के साथ कुछ हद तक अनुकूलित हो जाएंगे। उन्होंने अनुमान लगाया कि सदी के अंत तक गर्मी के कारण भावनात्मक कल्याण 2.3 प्रतिशत तक बिगड़ जाएगा। अमेरिका में टल्सा स्थित सस्टेनेबल अर्बनाइजेशन लैब के वैज्ञानिक निक ओब्राडोविच ने कहा की हमारे वर्तमान अध्ययन और पिछले अध्ययनों के निष्कर्षों से यह स्पष्ट है कि मौसम वैश्विक स्तर पर भावनाओं को बदलता है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे मौसम और जलवायु बदलते हैं, व्यक्तियों को अपनी भावनात्मक स्थिति पर पड़ने वाले झटकों के प्रति अधिक लचीला बनने में मदद करना समग्र सामाजिक अनुकूलन का एक महत्वपूर्ण घटक होगा। दरअसल, यह शोध जलवायु परिवर्तन के बारे में सोचने के बिल्कुल नए रास्ते खोलता है। ज्यादातर अध्ययन शारीरिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों, आर्थिक क्षति या पर्यावरणीय विनाश पर केंद्रित हैं। लेकिन यह शोध दर्शाता है कि बढ़ता तापमान हमारे मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर भी असर डालता है, जिससे एक तरह का भावनात्मक प्रदूषण पैदा होता है जो पूरे ग्रह में फैल जाता है। इस अध्ययन की कुछ सीमाएं हैं। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता सभी का पूरी तरह से प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। छोटे बच्चे और बुजुर्ग लोग अन्य आयु समूहों की तुलना में इस प्लेटफार्म का कम उपयोग करते हैं। विडंबना यह है कि ये लोग अक्सर अत्यधिक गर्मी के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं, जिसका अर्थ है कि गर्म मौसम का वास्तविक भावनात्मक प्रभाव अध्ययन में दर्शाए गए प्रभाव से भी अधिक गंभीर हो सकता है।

यह शोध एमआईटी की सस्टेनेबल अर्बनाइजेशन लैब की ग्लोबल सेंटीमेंट प्रोजेक्ट से आया है। वैज्ञानिकों ने अपना पूरा डेटासेट अन्य शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया है। उम्मीद है कि यह समुदायों और नीति-निर्माताओं को एक ऐसी दुनिया के लिए तैयार होने में मदद करेगा जो लगातार गर्म होती जा रही है। झेंग ने कहा, हमें उम्मीद है कि यह संसाधन शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं और समुदायों को एक गर्म होती दुनिया के लिए बेहतर ढंग से तैयार होने में मदद करेगा।

जैसे-जैसे वैश्विक स्तर पर तापमान बढ़ता जा रहा है, इन भावनात्मक प्रभावों को समझना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। अध्ययन बताता है कि जलवायु परिवर्तन केवल एक पर्यावरणीय समस्या या आर्थिक चुनौती नहीं है। यह एक मानसिक स्वास्थ्य संकट भी है जो दुनिया के सबसे गरीब लोगों को सबसे ज्यादा प्रभावित करता है। मौसम संबंधी आघातों को रोकने के लिए जलवायु परिवर्तन से निपटना महत्वपूर्ण है।

प्रेरणा

लोकनायक की सादगी जिसने अपराधी का हृदय बदल दिया

साल 1975 का वह समय भारतीय लोकतंत्र के इतिहास में एक गहरी छाया की तरह दर्ज है। आपातकाल का दौर था। सत्ता के विरुद्ध आवाज़ उठाने वाले हर व्यक्ति को जेलों में डाल दिया गया था। अख़बारों की स्याही पर पहरा था, और नागरिक स्वतंत्रता को जैसे जंजीरों में जकड़ दिया गया था। इन्हीं दिनों भारत के महान समाजवादी नेता, लोकनायक जयप्रकाश नारायण—जो अन्याय के विरुद्ध आंदोलन के प्रतीक बन चुके थे—को भी जेल में कैद कर दिया गया।

एक दिन जेल के भीतर का साधारण-सा दृश्य इतिहास का अमर प्रसंग बन गया। सुबह का समय था, जब कैदियों को पानी पीने के लिए कतार में खड़ा होना पड़ता था। जेल की गर्म और बंद हवा में सभी बेचैन थे। उसी कतार में एक दुबली, झुकी हुई काया, सफ़ेद खादी के वस्त्रों में सुसज्जित, शांत चेहरे वाला व्यक्ति अपनी बारी का इंतज़ार कर रहा था। यह व्यक्ति कोई और नहीं, बल्कि वही लोकनायक जयप्रकाश नारायण थे — जिनका नाम उस समय देश के हर कोने में आदर और सम्मान से लिया जाता था।

उनके ठीक बगल में एक और कैदी खड़ा था — हाजी मस्तान। वही प्रसिद्ध तस्कर, जिसके पास धन, शक्ति और रौब का कोई अभाव नहीं था। जेल में आने के बाद भी उसका वीआईपी रुतबा बरकरार था। अधिकारी उसे "साहब" कहकर संबोधित करते, वह आदेश देता, दूसरों पर ऊँची नज़र से देखता और किसी भी असुविधा पर गुस्सा जताता। वह अपनी पहचान हर जगह बनाकर रखना चाहता था, चाहे वह

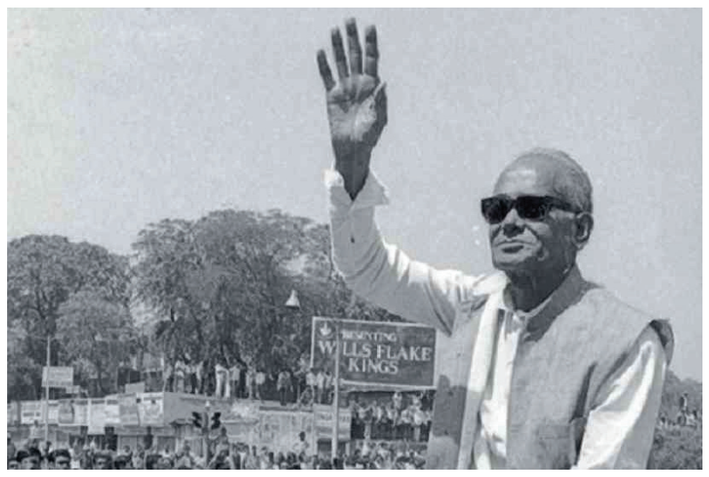

जेल ही क्यों न हो।

लेकिन उस सुबह कुछ अलग हुआ। जब उसकी नजर जयप्रकाश नारायण पर पड़ी, तो वह ठिठक गया। एक बुजुर्ग नेता, जिनके लिए पूरी दुनिया आदर से झुकती थी, वे बिना किसी विशेषाधिकार के एक साधारण कैदी की तरह कतार में खड़े थे — शांत, संयमी, विनम्र। न कोई शिकायत, न कोई रौब, न कोई अधीरता। उनके चेहरे पर बस गहरी शांति थी, जैसे भीतर एक महासागर बह रहा हो।

हाजी मस्तान उस दृश्य को देखता रह गया। उसे यह विश्वास नहीं हुआ कि इतना बड़ा नेता भी इस तरह सामान्य जीवन जी सकता है। उस क्षण उसके भीतर कुछ टूट गया, या शायद कुछ नया जन्मा। अहंकार, शक्ति, दिखावा — सब अर्थहीन लगने लगा। उस दिन उसने पहली बार सादगी में छिपी महानता को देखा।

जेल में बिताए महीनों के दौरान हाजी मस्तान के भीतर परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू हो गई। उसने धीरे-धीरे अपने व्यवहार में संयम लाना शुरू किया। उसका रौब कम हो गया, और आत्मचिंतन बढ़ गया। करीब 18 महीने बाद जब वह जेल से रिहा हुआ, तो उसने सबके सामने घोषणा की कि वह अपराध की दुनिया को हमेशा के लिए छोड़ रहा है। उसने अपने साथी तस्करों — यूसुफ पटेल और सुकरनारायण बखिया — के साथ मिलकर ईमानदारी और सादगीपूर्ण जीवन जीने की शपथ ली।

देश के प्रमुख अख़बारों ने इस घटना को प्रमुखता से प्रकाशित किया। उन रिपोर्टों में तस्वीरें भी थीं — जिनमें हाजी मस्तान और अन्य कुख्यात तस्कर जयप्रकाश नारायण के सामने सिर झुकाकर प्रण कर रहे थे कि वे अब अपराध की राह छोड़ देंगे। यह कोई साधारण घटना नहीं थी। यह उस सादगी की विजय थी, जिसने किसी को डांटकर या दंड देकर नहीं, बल्कि अपनी विनम्रता और चरित्रबल से बदल दिया।

जयप्रकाश नारायण ने किसी मंच से भाषण नहीं दिया, कोई प्रवचन नहीं किया। उन्होंने केवल अपने आचरण से दिखाया कि नैतिकता का असली स्वरूप दिखावे में नहीं, बल्कि आत्मसंयम में होता है। उनकी सादगी एक मौन क्रांति थी — जिसने अपराध की अंधेरी दुनिया में भी प्रकाश फैला दिया।

यह कहानी आज भी हमें यह सिखाती है कि सच्ची शक्ति हथियारों या पदों में नहीं होती। वह उस व्यक्ति में होती है, जो अपने व्यवहार से दूसरों को सुधार दे, जो बिना बोले सिखा दे कि सादगी कमजोरी नहीं, बल्कि सबसे बड़ी ताकत है। जयप्रकाश नारायण की यह घटना इस बात का प्रतीक है कि एक सच्चे मनुष्य का जीवन ही सबसे बड़ा संदेश होता है। उनकी सादगी ने यह सिद्ध कर दिया कि जब सत्य और विनम्रता एक साथ खड़े होते हैं, तो झूठ और अपराध अपने आप झुक जाते हैं।

महिला-युवा तय करेंगे सरकार कौन बनाएगा

लोकतंत्र की जननी बिहार की धरती— क्या मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ का इतिहास दोहराएगी? मतदाताओं के रुख की हकीकत 14 नवंबर को मतगणना के बाद ही सामने आ पाएगी। लेकिन लगता है कि एक बार फिर बिहार में महिला मतदाताओं का रुख ही बिहार की अगली सियासी तस्वीर का फैसला करने जा रहा है। वैसे इसमें युवाओं, विशेषकर पहली बार वोटर बने नौजवानों की भी अहम भूमिका रहने जा रही है।

बिहार के चुनाव में महिलाओं और युवाओं के महत्व का अंदाजा दोनों प्रमुख गठबंधनों को है। सत्ताधारी गठबंधन ने महिलाओं को लुभाने की जी-तोड़ कोशिश की है। राज्य में करीब साढ़े तीन करोड़ महिला वोटर हैं। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत राज्य की महिला मतदाताओं के करीब 22 फीसद को दस-दस हजार रुपये की रकम दी जा चुकी है। इस योजना के तहत राज्य की एक करोड़ 21 लाख महिलाओं को इसका फायदा दिया जाना है। बेशक भाजपा विपक्ष शासित राज्यों में ऐसी ही सहयोग देने वाली योजनाओं को कभी 'रेवड़ी' बताकर विरोध करती रही हो, लेकिन अब वह भी ऐसी योजनाओं में भागीदारी कर रही है। छत्तीसगढ़ की जीत में महतारी वंदन योजना और मध्य प्रदेश की जीत में लाड़ली बहना योजना की भूमिका को शायद ही कोई दल नकार पाए।

मध्य प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जब 10 जून, 2023 को जबलपुर में लाड़ली बहना योजना की शुरुआत की थी, तब माना जा रहा था कि उनकी सरकार मध्य प्रदेश में अलोकप्रिय हो चुकी है। लेकिन चुनावी नतीजों ने इस धारणा को बदल दिया। छत्तीसगढ़ में पिछले विधानसभा चुनाव से पहले शायद ही किसी ने अंदाजा लगाया था कि भूपेश बघेल सरकार को हार का स्वाद चखना होगा, लेकिन ऐसा हुआ। माना गया कि सियासी तस्वीर बदलने में भाजपा की महतारी वंदन योजना का बड़ा हाथ रहा। महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन की जीत में भी अन्य कारकों के साथ लाड़ली बहना योजना और झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार की वापसी में मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना की अहम भूमिका रही है।

पिछले कुछ चुनावों से महिलाओं ने मतदान में पुरुषों के पीछे चलने की अवधारणा को बदला है। वे बढ़-चढ़कर मतदान में हिस्सा ले रही हैं। बिहार में पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान जहां 59.69 प्रतिशत महिला मतदाताओं ने मतदान किया था, वहीं पुरुषों का प्रतिशत महज 54.45 प्रतिशत ही था। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार राज्य में महिला साक्षरता दर करीब 51 प्रतिशत ही है। वर्ष 2010 के विधानसभा चुनावों से ही बिहार में महिलाएं केंद्र में हैं। तब जहां 51.12 प्रतिशत पुरुष मतदाताओं ने अपने अधिकार का इस्तेमाल किया था, वहीं महिलाओं ने इससे कहीं ज्यादा यानी 54.49 प्रतिशत हिस्सेदारी की थी। इसी तरह 2015 के विधानसभा चुनाव में भी पुरुषों से आगे 60.48 फीसद महिलाओं ने वोट डाले थे। बिहार में इस बार करीब साढ़े तीन करोड़ महिला मतदाता हैं, जबकि पुरुष मतदाताओं की संख्या 3.92 करोड़ है।

वास्तव में पलायन के चलते बिहार में पुरुष मतदाता कम हैं। मतदाता सूची में दर्ज नाम वाले भी वोटर परदेस में रोज़ी-रोटी कमाने को मजबूर हैं। इस बार भी बिहार की अगली सरकार के गठन में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। महिलाओं की ही मांग पर नीतीश कुमार ने राज्य में शराबबंदी लागू की थी। आलोचनाओं के बावजूद अगर नीतीश इस योजना को जारी रखे हुए हैं, तो इसका मतलब यह भी है कि उनका महिला वोटरों पर भरोसा तेजस्वी की तुलना में बहुत ज्यादा है।

बिहार में इस बार 14 लाख ऐसे नए वोटर जुड़े हैं, जो पहली बार वोट डालेंगे। विधानसभावार आंकड़ों के लिहाज से देखें तो हर विधानसभा में पहली बार वोट डालने वालों की संख्या औसतन 5,761 होती है। विधानसभा में जीत-हार का आंकड़ा बेहद नजदीकी होता है। जाहिर है कि इन नए मतदाताओं पर भी विधानसभा में जीत-हार निर्भर होगी। यही वजह है कि विपक्षी गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के दावेदार तेजस्वी यादव बार-बार युवाओं की बेरोजगारी का मुद्दा उठा रहे हैं। इतना ही नहीं, वे अपनी सरकार बनने की स्थिति में बड़ी संख्या में रोजगार उपलब्ध कराने का दावा भी कर रहे हैं। तेजस्वी खुद को युवा हितैषी साबित करने के लिए नीतीश कुमार के साथ रहते नौकरियों के बांटे गए दस्तावेजों का हवाला देने से भी नहीं चूक रहे। पलायन को विपक्षी खेमे की ओर से मुद्दा बनाने की जबरदस्त कोशिश हो रही है। बिहार में रोजगार की कमी के चलते यहां के लोग महाराष्ट्र, गुजरात, दिल्ली, हरियाणा और पंजाब का रुख करने को मजबूर हैं। प्रशांत किशोर मतदान में युवाओं की ताकत को समझते हैं। इस बार के चुनाव में महिलाओं के साथ पलायन भी बड़ा मुद्दा रहने के गहरे आसार हैं। चुनाव आयोग ने बिहार से ही अपने विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान यानी एसआईआर की शुरुआत की है। कांग्रेस समेत समूचा विपक्षी समुदाय इस पुनरीक्षण से बौखलाया हुआ है। वोट चोरी की धारणा को इस अभियान के बहाने राहुल गांधी ने नया रुख दिया है। उन्हें लगता है कि एक बार इसे छोड़ दिया गया तो वोट चोरी की धारणा ही धीरे-धीरे सवालों के घेरे में आती जाएगी। इसलिए विपक्षी खेमे की कोशिश है कि एसआईआर को फालतू का कार्यक्रम बताकर इस पर सवालिया निशान खड़े किए जाएं।

अभियान

शिव-पार्वती द्वारा गणेश पूजन की दिव्य कथा

एक समय की बात है। कैलाश पर्वत पर भगवान शिव और माता पार्वती विराजमान थे। उनके सम्मुख अनेक मुनि और देवता एकत्र होकर किसी महान यज्ञ के आयोजन की चर्चा कर रहे थे। यह एक दिव्य यज्ञ था, जिसमें देवताओं की सिद्धि, ऋषियों की तपस्या और ब्रह्मांड के कल्याण का संकल्प निहित था। मुनियों ने माता पार्वती और भगवान शिव से निवेदन किया कि वे इस यज्ञ में सम्मिलित हों, क्योंकि उनके बिना कोई भी शुभ कार्य पूर्ण नहीं होता।

भगवान शिव और माता पार्वती ने मुनियों की प्रार्थना स्वीकार कर ली और उन्होंने यज्ञ की विधि के अनुसार स्थान ग्रहण किया। जब यज्ञ का शुभ मुहूर्त आया, तो ऋषियों ने कहा — "देवदेव, किसी भी मंगल कार्य का प्रारंभ गणपति पूजन के बिना नहीं होता। अतः आप पहले गणेशजी का पूजन करें, तभी यह यज्ञ सफल होगा।"

शिवजी और पार्वतीजी यह सुनकर मुस्कराए। पार्वतीजी ने कहा — "मुनिवर, गणेश तो हमारे ही पुत्र हैं। क्या हमें अपने ही पुत्र की पूजा करनी चाहिए?" इस पर मुनियों ने अत्यंत विनम्र भाव से कहा — "माता, यह संसार की विधि है। यद्यपि वे आपके पुत्र हैं, परंतु देवताओं में वे विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य माने गए हैं। जो भी देव, दानव या मानव किसी कार्य का शुभारंभ करते हैं, उन्हें पहले गणेशजी की आराधना करनी होती है।

अन्यथा कार्य अधूरा रह जाता है।"

मुनियों की यह बात सुनकर शिवजी गंभीर हो गए। उन्होंने पार्वतीजी की ओर देखा और बोले — "देवी, यह सत्य है। पुत्र होने पर भी गणेशजी आज समस्त सृष्टि के प्रथम पूज्य हैं। उनके बिना कोई भी कार्य सिद्ध नहीं हो सकता।"

तब शिवजी और पार्वतीजी ने अत्यंत श्रद्धा और भक्ति के साथ अपने ही पुत्र गणेशजी का पूजन किया। उन्होंने उन्हें दूर्वा, मोदक, पुष्प और अक्षत अर्पित किए। शिवजी ने मंत्रोच्चार के साथ गणेशजी के समक्ष प्रणाम किया और कहा — "विघ्नेश्वर, तुम सृष्टि के आरंभ में स्थित प्रथम देवता हो। तुम्हारे नाम के बिना कोई शुभ कार्य प्रारंभ नहीं होता। आज हम स्वयं तुम्हें पूजकर यह यज्ञ आरंभ कर रहे हैं।"

गणेशजी उस समय प्रसन्न होकर बोले — "पिताश्री, माताश्री! आपने स्वयं यह पूजन करके संपूर्ण जगत को यह संदेश दिया है कि देव, दानव, मानव — कोई भी हो — उसे अपने अहंकार का त्याग कर धर्म की मर्यादा का पालन करना चाहिए। जो भी मुझसे पहले पूजा करता है, उसके जीवन के विघ्न दूर होते हैं।"

जैसे ही गणेशजी ने यह वचन कहा, यज्ञ स्थल पर एक दिव्य प्रकाश फैल गया। पुष्पों की वर्षा हुई और आकाश में देवगंधों की सुगंध भर गई। ऋषियों ने "जय गणेश, जय गणेश" का उच्चार करते हुए भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना की।

उस दिन से यह परंपरा चली कि कोई भी देवता, ब्रह्मा, विष्णु या स्वयं महादेव भी, जब किसी शुभ कार्य का आरंभ करते हैं, तो सबसे पहले गणेशजी का पूजन करते हैं। इसी कारण गणेशजी को "प्रथम पूज्य" और "विघ्नहर्ता" कहा जाता है।

यह कथा हमें यह सिखाती है कि जब स्वयं महादेव और जगन्माता पार्वती भी अपने पुत्र गणेश की पूजा कर सकते हैं, तो मनुष्य को अपने अहंकार को छोड़कर विनम्रता से आराधना करनी चाहिए। सच्ची भक्ति वहीं होती है जहाँ प्रेम, सम्मान और मर्यादा एक साथ हों। गणेशजी केवल विघ्नहर्ता ही नहीं, बल्कि विनम्रता और मर्यादा के प्रतीक भी हैं — जो अपने भक्तों को सिखाते हैं कि सबसे बड़ा वही नहीं जो शक्तिशाली है, बल्कि वही जो सबसे पहले "नमन" करना जानता है।

RNI No. GJHIN/25/A2786 Printed, Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. (3) HADIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002
and Published from B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424. Editor : JIGNESHKUMAR PATHABHAI VAGHELA

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य की ग्राम पंचायतों को चुंगी निर्मूलन क्षतिपूर्ति के अतिरिक्त अनुदान के रूप में 576 करोड़ रुपए की राशि के भुगतान का प्रारंभ कराया

मुख्यमंत्री ने विकास सप्ताह अंतर्गत 'विकसित गाँव, विकसित गुजरात' कार्यक्रम में 'स्वच्छता ही सेवा' के तहत श्रेष्ठता के लिए सम्मान एवं स्वयं-सहायता समूहों का अभिवानदन किया

-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- समरस ग्राम पंचायतों को प्रोत्साहक अनुदान देने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण से समरसता तथा ग्रामीण विकास को वेग मिला है
- ग्राम पंचायतों को सशक्त-समृद्ध गुजरात का आधार बनाकर विकास में सहभागी करने की प्रधानमंत्री की मंशा साकार हुई

(जीएनएस)। गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ग्राम पंचायतों को चुंगी निर्मूलन क्षतिपूर्ति (मुआवजे) के अतिरिक्त अनुदान के रूप में शनिवार को राजकोट से 576 करोड़ रुपए की राशि के भुगतान का प्रारंभ कराया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 7 अक्टूबर 2001 से गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सफल दायित्व संभाल कर आज प्रधानमंत्री के रूप में देश को दिए गए सुशासन एवं विकास का उत्सव गुजरात में हर वर्ष 7 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के दौरान विकास सप्ताह के रूप मनाया जाता है।

इस वर्ष के विकास सप्ताह के पाँचवें दिन शनिवार को मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा महानुभावों की प्रेरक उपस्थिति में राजकोट में राज्य स्तरीय 'विकसित गाँव, विकसि गुजरात' कार्यक्रम आयोजित हुआ।

इस कार्यक्रम में श्री पटेल ने राज्य की ग्राम पंचायतों को चुंगी निर्मूलन क्षतिपूर्ति की अतिरिक्त अनुदान राशि के भुगतान का प्रतीक के रूप में शुभारंभ कराने के साथ ही 'स्वच्छता ही सेवा' अंतर्गत श्रेष्ठ कामकाज करने वाली पंचायतों सहित लगभग आठ सरकारी संस्थाओं का सम्मान एवं चार स्वयं-सहायता समूहों का अभिवादन भी किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को वेग देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में राज्य में चुंगी कर निर्मूलन किया था। चुंगी कर की आय के अभाव में गाँवों का विकास न रुके व विकास कार्य निरंतर चलते रहें; इसके लिए पिछले एक दशक में राज्य की ग्राम पंचायतों को चुंगी निर्मूलन क्षतिपूर्ति के रूप में 576 करोड़ रुपए से अधिक का अनुदान दिया गया है। इतना ही नहीं; गाँवों में सड़क, बिजली, पानी जैसे ढांचागत विकास के लिए प्रधानमंत्री ने वित्त आयोग के अनुदान में उत्तरोत्तर वृद्धि की है।

श्री पटेल ने कहा कि समरस पंचायतों को प्रोत्साहक अनुदान देने के प्रधानमंत्री के निर्णय से ग्राम पंचायतों के विकास को वेग मिला है और इस वर्ष तो राज्य में 761 ग्राम पंचायतें समरस हुई हैं। पंचायती राज शासन में युवाओं की भागीदारी बढ़ रही है और इस वर्ष 42 प्रतिशत सरपंच 21 से 40 वर्ष के हैं। पीएचडी कर चुके अनेक युवा भी सरपंच बनकर गाँव का नेतृत्व कर रहे हैं।

उन्होंने जोड़ा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सक्षम पंचायतों को सशक्त-समृद्ध गुजरात का आधार बनाया है तथा ग्रामीण विकास के समरस ग्राम, तीर्थग्राम, ई-ग्राम विश्वग्राम, ज्योतिग्राम, पावनग्राम जैसे अनेक सफल आयाम दिए हैं।

प्रधानमंत्री के शासन में विकास कार्यों की सकारात्मक मानसिकता एवं कार्य संस्कृति के विषय में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय महानगर पालिका में 10 हजार रुपए के कार्य की स्वीकृति में लंबा समय लगता था, परंतु आज एक करोड़ रुपए तक के

कार्य तो पार्षद भी करा सकते हैं।

ग्रामीण विकास तथा महिलाओं के सशक्तिकरण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सखी मंडलों को हर प्रकार की सहायता करने के लिए राज्य सरकार सदैव तत्पर होती है। ड्रोन दीदी योजना से महिलाएँ आर्थिक रूप से सक्षम बन रही हैं।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन की रजत जयंती होने जा रही है। उनकी राजनीतिक यात्रा में राजकोट के योगदान को महत्वपूर्ण बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजकोट की जनता द्वारा व्यक्त किया गया विश्वास आज देश के 140 करोड़ नागरिकों का जन विश्वास बना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत का संकल्प साकार करने के लिए सुदूरवर्ती मानव को विकास की मुख्य धारा में लाने के उद्देश्य से सरकारी योजनाओं के निर्माण में छोटे से छोटे व्यक्ति को केन्द्र में रखने की चिंता करते हैं।

आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों में जगाए गए विश्वास का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'मन की बात' में खिलौनों का आयात कम करने को लेकर प्रधानमंत्री द्वारा किए गए आह्वान के बाद देश में तसवीर बदली और आज भारत में बने खिलौने 143 देशों में निर्यात होते हैं। वाइब्रेंट समिट से सुदूरवर्ती क्षेत्र तक व्यवसाय-रोजगार बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री द्वारा दी गई प्रेरणा का अनुकरण करते हुए गुजरात में रीजनल वाइब्रेंट समिट आयोजित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को साकार करने के लिए हम स्वदेशी को अपनाएँ, स्वदेशी वस्तुएँ ही बेंचें, खरीदें तथा उनका उपयोग करें।

इस अवसर पर सांसद श्री परसोत्तम रूपाला ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री व देश के वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के कारण आज सरकारी प्रशासन में गाँव केन्द्र में आया और गोकुल गाँव, निर्मल गाँव तथा समरस गाँव जैसे दृष्टिकोण से ग्रामीण विकास को वेग मिला। सरपंच गाँव की प्रगति पर गर्व करने लगे। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के शासन में गाँवों की उल्लेखनीय प्रगति के कारण अनेक गाँवों को 'विकसित गाँव' का दर्जा मिला है। प्रधानमंत्री के निर्णय के कारण 14वें वित्त आयोग से ग्राम पंचायतों को आवश्यक अधिकार, व्यवस्था एवं सत्ता देने संभव हुआ है। विकास सप्ताह उत्सव के माध्यम से गुजरात सरकार की अनावरत विकास यात्रा गाँव-गाँव जाकर गाँवों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहन दे रही है।

जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रवीणाबेन रंगाणी ने प्रसंगोचित संबोधन किया। पंचायत, ग्रामीण गृह निर्माण एवं ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री मिलिंद तोरवणे ने स्वागत संबोधन किया, जबकि पंचायत विभाग के अपर विकास आयुक्त डॉ. गौरव दहिया ने आभार व्यक्त किया।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राजकोट शहर-जिले के लगभग 194 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का ई-शिलान्यास कर दिवाली भेंट दी। स्वदेशी वस्तुओं को प्रोत्साहन देने के लिए सखी मंडलों द्वारा निर्मित अनूठी वस्तुओं, पटोळा, मिट्टी के बर्तनों, हैंडीक्राफ्ट, मोतीकाम जैसी विभिन्न वस्तुओं की प्रदर्शनी-सह-बिक्री के स्टॉल्स भी लगाए गए और ड्रोन दीदी की नई टेक्नोलॉजी की उड़ान के साथ कार्यकुशलता का प्रदर्शन आयोजित हुआ।

इस कार्यक्रम में महापौर श्रीमती नयनाबेन पेढडिया, विधायक सर्वश्री डॉ. दर्शिताबेन शाह, उदयभाई कानगड, रमेशभाई टीलाळा, डॉ. महेन्द्रभाई पाडलिया, जयेशभाई रादडिया, दुर्लभजीभाई देथरिया, मुख्यमंत्री के सचिव श्री विक्रांत पांडे, विशेष कार्याधिकारी श्री धीरज पारेख, मनपा आयुक्त श्री तुषार सुमेरा, जिला कलेक्टर डॉ. ओम प्रकाश, जिला विकास अधिकारी श्री आनंदु सुरेश गोविंद, क्षेत्रीय नगर पालिका आयुक्त श्री महेशभाई जानी, पश्चिम गुजरात वीज कंपनी लिमिटेड (पीजीवीसीएल) के प्रबंध निदेशक श्री सुधीर पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री राजूभाई डांगर, उप महापौर श्री नरेन्द्रसिंह जाडेजा, मनपा स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री जयमीनभाई ठाकर, पंचायत स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री पी. जी. कयाडा, पूर्व सांसद श्री मोहनभाई कुंडारिया, अग्रणी श्री भरतभाई बोघरा आदि उपस्थित रहे।

राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का अहमदाबाद हवाई अड्डे पर ऊष्मापूर्ण स्वागत किया

गुजरात विद्यापीठ के दीक्षांत समारोह में उपस्थित रहने के लिए अहमदाबाद पधारीं राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

(जीएनएस)। गांधीनगरः गुजरात यात्रा अंतर्गत गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में सहभागी होने के लिए अहमदाबाद की धरती पर पधारीं भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का अहमदाबाद हवाई अड्डे पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने ऊष्मापूर्ण स्वागत किया।

इस अवसर पर प्रोटोकॉल राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी, मेजर जनरल गौरव बग्गा, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त श्री जी. एस. मलिक, अहमदाबाद जिला कलेक्टर श्री सुजीत कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों तथा अफसरों ने भी राष्ट्रपति का अभिवादन कर उनका स्वागत किया।

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर दी गई भावपूर्ण विदाई

राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु को भावपूर्ण विदाई दी

(जीएनएस)। गांधीनगर, 11 अक्टूबर : भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु गुजरात यात्रा अंतर्गत गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में सहभागी होकर नई दिल्ली रवाना हो गईं। राज्यपाल आचार्य देवव्रत तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राष्ट्रपति को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर विदाई दी।

इस अवसर प्रोटोकॉल राज्य मंत्री श्री जगदीश विश्वकर्मा, अहमदाबाद शहर की महापौर श्रीमती प्रतिभाबेन जैन, राज्य के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, एयर मार्शल नर्मदेश्वर तिवारी, मेजर जनरल गौरव बग्गा, अहमदाबाद शहर पुलिस आयुक्त श्री जी. एस. मलिक, अहमदाबाद जिला कलेक्टर श्री सुजीत कुमार सहित वरिष्ठ अधिकारियों एवं अफसरों ने भी राष्ट्रपति को भावपूर्ण विदाई दी।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में गुजरात विद्यापीठ का 71वाँ दीक्षांत समारोह संपन्न

- विद्यार्थी गांधीजी के आदर्शों को आत्मसात कर आत्मनिर्भर भारत के संवाहक बनें : राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु
- हम सभी स्वदेशी अपना कर राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य करें : राज्यपाल आचार्य देवव्रत
- युवाशक्ति गांधी मूल्यों एवं स्वदेशी के संवाहक बनकर 'आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण करेगी : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल
- पहली बार गुजरात विद्यापीठ द्वारा अभ्यास के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों के आधार पर विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया
- राष्ट्रपति के करकमलों से 7 विद्या संकायों के 18 विभागों के लगभग 713 विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं

(जीएनएस)। गांधीनगर, 11 अक्टूबर : राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी द्वारा स्थापित गुजरात विद्यापीठ का 71वाँ दीक्षांत समारोह शनिवार को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु की अध्यक्षता में विद्यापीठ परिसर में आयोजित हुआ।

गुजरात विद्यापीठ के कुलाधिपति तथा गुजरात एवं महाराष्ट्र के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने स्नातकों को डिग्रियाँ प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने दीक्षांत समारोह में उपस्थित रह कर विद्यार्थियों को उत्साह बढ़ाया। राष्ट्रपति द्वारा 7 विद्या संकायों के 18 विभागों के लगभग 713 विद्यार्थियों को डिग्रियाँ प्रदान की गईं।

पहली बार गुजरात विद्यापीठ द्वारा अभ्यास के साथ-साथ सामाजिक गतिविधियों के आधार पर विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति श्रीमदी दौर्पदी मुर्मु ने गुजरात विद्यापीठ के ऐतिहासिक परिसर में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के मुख्य कार्य स्थल इस पवित्र भूमि पर उन्हें अत्यंत आनंद की अनुभूति हो रही है। उन्होंने स्वाधीनता संग्राम के आदर्शों की इस भूमि से बापू की पावन स्मृति को आदरपूर्वक नमन किया।

राष्ट्रपति ने विद्यापीठ के गौरवशाली इतिहास का स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 1920 में ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध असहयोग आंदोलन के दौरान गुजरात विद्यापीठ की स्थापना की गई थी। उस समय देशवासियों का ब्रिटिश शासन अधीनस्थ विद्यालयों व महाविद्यालयों का त्याग कर राष्ट्रीय शिक्षा संस्थानों की स्थापना करने का आह्वान किया गया था। इस आह्वान के चलते देशवासियों के संसाधनों से निर्मित यह विद्यापीठ राष्ट्र निर्माण एवं आत्मनिर्भरता के जीवंत आदर्शों की 105 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक प्रतीक है। उन्होंने जोड़ा कि अक्टूबर 1920 में स्थापना से लेकर जनवरी 1948 तक स्वयं महात्मा गांधी इस संस्थान के कुलाधिपति रहे। उनके बाद सरदार वल्लभभाई पटेल, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद व श्री मोरारजी देसाई जैसे महापुरुषों ने कुलाधिपति के रूप में विद्यापीठ को मार्गदर्शन दिया। राष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि देश में शायद ही ऐसा कोई संस्थान होगा, जिसे 75 वर्षों तक ऐसी महान विभूतियों का मार्गदर्शन मिला हो और इस कारण देशवासियों को विद्यापीठ से विशेष अपेक्षाएँ होना स्वाभाविक हैं।

राष्ट्रपति ने ऐतिहासिक दांडी यात्रा से पूर्व के एक दीक्षांत समारोह को याद करते हुए कहा कि गांधीजी ने उस समय विद्यार्थियों का देश के स्वराज आंदोलन में अग्रसर रहने का आह्वान किया था। यह दर्शाता है कि बापू विद्यापीठ के विद्यार्थियों को राष्ट्रीय अभियान में अग्रणी के रूप में देखते थे। उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा 50,000 ग्राम विचरण कर की गई समाज सेवा की गतिविधि की प्रशंसा की। गुजरात की स्वरोजगार एवं उद्यमशीलता की संस्कृति का उल्लेख करते हुए श्रीमती मुर्मु ने कहा कि देश-विदेश में गुजरातियों ने अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मनिर्भरता की इस संस्कृति के संवाहक बनकर उसे समग्र देश में प्रोत्साहित करने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा, "स्वदेशी के राष्ट्रव्यापी अभियान में आपको सक्रिय भूमिका निभानी है। 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना के साथ स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देना है।"

गांधीजी के विचारों को उद्धृत कर राष्ट्रपति ने कहा कि आशा की किरण बाहर नहीं, बल्कि हमारे हृदय के भीतर खोजनी है। उन्होंने विद्यापीठ के सूत्र 'सा विद्या विमुक्तये' का अर्थ समझाते हुए कहा कि जो विद्या मुक्ति दिलाए, वही सच्ची विद्या है। केवल आजीविका के लिए विद्या ग्रहण करना उचित नहीं है, कारण कि विद्या तो आजीवन चलने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने विद्यार्थियों को समाज एवं राष्ट्र की प्रगति को ध्यान में रखकर जीवन जीने तथा समाज सेवा द्वारा देश का ऋण चुकाने की प्रेरणा दी। उन्होंने 'सर्वोदय' के सिद्धांत का अनुकरण कर समाज के वंचित वर्गों के हित में काम करने तथा पर्यावरणानुकूल विकास के लिए प्रयास करने को कहा।

राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि विद्यापीठ से स्नातक होने वाले बेटों की संख्या बेटियाँ अधिक हैं। बेटियों को शिक्षा में समान अवसर तथा आवश्यकता पड़ने पर विशेष सविधाएँ मिलनी चाहिए। उन्होंने नई शिक्षा नीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस नीति ने स्थानीय भाषाओं, भारतीय ज्ञान परंपरा, चरित्र निर्माण तथा नैतिक मूल्यों को शिक्षा के मूल में स्थान दिया है।

अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि पूज्य बापू ने गुजरात विद्यापीठ की स्थापना केवल शिक्षा के लिए नहीं की थी, बल्कि राष्ट्र को दासता की मानसिकता से मुक्त करने का उनका उद्देश्य था। बापू ने सत्य, अहिंसा एवं भारतीय मूल्यों के आधार पर स्वतंत्रता का मार्ग दर्शाया था।

राज्यपाल ने आगे कहा कि दीक्षांत समारोह प्रत्येक संस्थान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण प्रसंग है। आज आप सबने जो डिग्री प्राप्त की है, वह केवल आपके लिए नहीं, बल्कि समाज एवं राष्ट्र के लिए जिम्मेदारी की शुरुआत है।

राज्यपाल ने भारतीय परंपरा में गुरु द्वारा शिष्य को दिए जाने वाले अंतिम उपदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि सत्य का आचरण करना, धर्म यानी कर्तव्य का पालन करना और निरंतर अध्ययन करते रहना ही विद्यार्थियों का मुख्य ध्येय होना चाहिए। सतत अभ्यास से ही ज्ञान समृद्ध बनता है।

आचार्य देवव्रत ने विद्यार्थियों को उन्हें मिले ज्ञान को स्वयं तक सीमित न रखने की सलाह देते हुए कहा कि जिस प्रकार बादल समुद्र के खारे पानी से अच्छा पानी खींच कर उसे जरूरतमंदों के लिए बरसाते हैं, उसी प्रकार आपको भी अपना ज्ञान राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित करना चाहिए।

पूज्य बापू के आत्मनिर्भरता एवं स्वदेशी आधारित राष्ट्र निर्माण के विचार का उल्लेख कर राज्यपाल ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत की दिशा में देश के ओगा ले जा रहे हैं। यदि हम सभी स्वदेशी अपना कर राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे, तो पूज्य बापू के सपनों का भारत बना सकेंगे।

उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि विद्यार्थी उनके परिवार, समाज तथा राष्ट्र के लिए जिम्मेदारी के साथ कार्य करें और जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें।

गुजरात विद्यापीठ के 71वें दीक्षांत समारोह में डिग्रीधारी विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश जब अमृतकाल में स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर गति कर रहा है, तब राष्ट्रपिता महात्मा गांधी द्वारा स्थापित इस संस्थान से दीक्षांत का अवसर गौरवमय है।

श्री पटेल ने जोड़ा कि परम सम्माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के करकमलों से डिग्री प्राप्त करने का सौभाग्य मिलना विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है।

मुख्यमंत्री ने गुजरात विद्यापीठ की विरासत को याद करते हुए कहा कि महात्मा गांधी ने 1920 में युवाशक्ति को सत्य, अहिंसा तथा आत्मनिर्भर भारत के शाश्वत विचारों के साथ राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरित करने के लिए इस विद्यापीठ की स्थापना की थी। स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध असहयोग आंदोलन की नींव रही इस विद्यापीठ का आज का दीक्षांत समारोह विकसित तथा आत्मनिर्भर स्वदेशी भारत के संवाहक युवाओं के समाज में पदार्पण का अवसर बना है। दीक्षांत समारोह की प्राचीन परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में गुरुकुल में शिक्षा पूर्ण होने के बाद ऋषि कुमारों को समाज तथा राष्ट्र के लिए शिक्षा का उपयोग करने का उपदेश दिया जाता। भगवान श्री राम, श्री कृष्ण तथा पांडव भी गुरुकुल में शिक्षित-दीक्षित हुए थे।

उन्होंने कहा कि आज उसी गुरुकुल परंपरा का स्थान आधुनिक विश्वविद्यालयों ने लिया है और गुजरात विद्यापीठ मूल्यनिष्ठ तथा समयानुकूल शिक्षा देने वाले विशिष्ट संस्थान के रूप में उभरी है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमत्री ने कहा कि श्री मोदी साहब ने सुराज्य यानी गुड गवर्नेंस का मंत्र दिया है। प्रधानमंत्री ने स्वयं हाथ में झाड़ू लेकर स्वच्छता को एक जन आंदोलन बनाया है। उन्होंने खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन के आह्वान द्वारा स्वदेशी को प्रोत्साहन दिया है, जिसके परिणामस्वरूप पिछले 11 वर्षों में खादी की बिक्री में 447 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि है।

श्री पटेल ने जोड़ा कि विद्यापीठ एक शताब्दी से अधिक समय से गांधीजी के सत्य, अहिंसा एवं श्रम के मूल्यों को जीवंत करने में सफल रही है। इन्हीं मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री भी युवाओं के राष्ट्र 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का सिंचन कर रहे हैं। श्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब, युवा, अन्नदाता तथा नारीशक्ति (ग्यान) को विकसित भारत के चार मुख्य स्तंभ कहा है, जिसमें युवाशक्ति को विशेष महत्व दिया है। पिछले एक दशक में स्किल, शिक्षा तथा स्टार्टअप जैसे इनिशिएटिव द्वारा युवाओं को सशक्त बनाया है और नई शिक्षा नीति द्वारा युवाओं के इनोवेशन को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धात्मक बनाने के लिए प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

डिग्रीधारी विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा, "विद्यापीठ के विद्यार्थी अन्यों की तुलना में विशेष हैं, कारण कि आपने शिक्षा के साथ स्वानुशासन, श्रम का गौरव तथा स्वदेशी जैसे मूल्य आत्मसात किए हैं।" उन्होंने बदलते वैश्विक परिदृश्य में आत्मनिर्भरता तथा स्वदेशी की बढ़ती महत्ता पर बल दिया और प्रधानमंत्री द्वारा शुरू कराए गए 'हर घर स्वदेशी-घर घर स्वदेशी' अभियान का संवाहक बन कर समाज में जागरूकता लाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के मतानुसार हर वस्तु का विकल्प हो सकता है, लेकिन स्किल, इनोवेशन तथा मेहनत का कोई विकल्प नहीं है और ये तीनों शक्तियाँ देश के नवयुवाओं में रही हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि इसी शक्ति से हम आत्मनिर्भर गुजरात से आत्मनिर्भर का निर्माण कर सकेंगे।

अंत में उन्होंने डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर स्नातक हुए विद्यार्थियों ने दीक्षांत प्रतिज्ञा ली।

कुलपति श्री हर्ष पटेल ने स्वागत संबोधन में कहा कि विद्यापीठ ने नई शिक्षा नीति को शिक्षा तथा व्यवहार; दोनों में अपनाया है। उन्होंने विद्यापीठ द्वारा समाज में स्वदेशी एवं आत्मनिर्भरता की भावना को सुदृढ़ बनाने के लिए लागू की गईं विभिन्न परियोजनाओं तथा पहलों की चर्चा की। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विद्यापीठ से स्नातक हुए विद्यार्थी सद्भाव, सेवा एवं आत्मनिर्भरता के विचारों को चरितार्थ करेंगे।

इस अवसर पर गुजरात विद्यापीठ के प्राध्यापक, शिक्षाविद् जैसे महानुभाव तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान में उल्लेखनीय कार्य के लिए अहमदाबाद को 'श्रेष्ठ जिला' को अवॉर्ड प्राप्त हुआ

- मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से अहमदाबाद जिले को स्वच्छता का 'नॉन-ट्राइबल श्रेष्ठ जिला' अवॉर्ड दिया गया

गांधीनगर, 11 अक्टूबर : भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) अंतर्गत राज्यभर में आयोजित हुए 'स्वच्छता ही सेवा 2025' अभियान में अहमदाबाद जिले ने उल्लेखनीय कामकाज कर समग्र राज्य में अनूठा स्थान प्राप्त किया है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से अहमदाबाद जिले को 'नॉन-ट्राइबल श्रेष्ठ जिला' का अवॉर्ड प्रदान किया गया है।

इस अवसर पर अहमदाबाद जिला ग्रामीण विकास अभिकरण (डीआरडीए) के निदेशक श्री एम. एम. देसाई का विशेष सम्मान किया गया, जो जिले के सभी अधिकारियों, कर्मचारियों तथा ग्रामीणजनों के संयुक्त परिश्रम का परिणाम है।

यहाँ उल्लेखनीय है कि अहमदाबाद जिले को मिला यह पुरस्कार केवल प्रशस्ति पत्र नहीं है, अपितु एक प्रेरणा का प्रतीक है कि किस प्रकार संकल्प, समर्पण एवं संयुक्त प्रयासों से किसी भी अभियान को लोक कल्याण में बदला जा सकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'राष्ट्र प्रथम' के भाव को उजागर करने वाली 'मेरा देश पहले' की प्रस्तुति ने गुजरात में जगाई नए भारत की भावना

- मनोज मुंतशिर लिखित-निर्मित 'मेरा देश पहले – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ श्री नरेन्द्र मोदी' का गुजरात में प्रथम मंचन देखने के लिए गिफ्ट सिटी में उमड़ी युवाशक्ति की भीड़
- प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार सहित 200 से अधिक कलाकारों ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की जीवन यात्रा के अनेक पहलुओं का वर्णन करने वाली रोमांचक म्यूजिकल गाथा प्रस्तुत की

(जीएनएस)। गांधीनगर : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आकार ले रहे नए भारत के रूपांतरण की रोमांचक कहानी 'मेरा देश पहले' का गुजरात में सर्वप्रथम भव्य शो शुक्रवार को गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में आयोजित हुआ।

श्री नरेन्द्र मोदी की उनकी जन्मभूमि वडनगर शुरू हुई प्रेरणादायी जीवनयात्रा से लेकर अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में भारत को विश्व गौरव दिलाने तक की समग्र रोमांचक यात्रा एवं राष्ट्र को समर्पित उनके जीवन के अनकहे पहलुओं की न केवल प्रस्तुति सांस्कृतिक बनी, बल्कि राष्ट्रीय जनचेतना के आंदोलन को दर्शकों की दृष्टि के समक्ष सदृश्य करने वाली भी बनी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री जगदीश विश्वकर्मा, राज्य मंत्रिमंडल के सदस्यों, व्यापार-उद्योग जगत के अग्रणियों सर्वश्री पंकज पटेल, प्रणव अदाणी, टोरेंट परिवार, एसोचैम के श्री चिंतन ठाकर सहित अनेक गणमान्य अधिकारियों, उद्योगकारों-कारोबारियों तथा मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, वरिष्ठ सचिवों और उच्चाधिकारियों ने इस मंचन को देखा।

श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वडनगर के विद्यालय के साहसी विद्यार्थी के रूप में शुरू की यात्रा, सोमनाथ-अयोध्या रथयात्रा, कश्मीर तक की एकता यात्रा तथा अलगाववादियों की धमकी की चुनौती को स्वीकार कर श्रीनगर के लाल चौक में तिरंगा फहराने और प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेना को दिए गए मार्गदर्शन से लेकर ऑपरेशन सिंदूर की शौर्य गाथा, राम मंदिर निर्माण संकल्प के साकार होने सहित समग्र घटनाक्रम का दृश्या-श्राव्य एवं संगीतमय मंचन सभी के आकर्षण का केन्द्र बना।

लेखक, निर्माता तथा प्रस्तुतकर्ता मनोज मुंतशिर के रसपूर्ण व सटीक संचालन के साथ प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार सहित 200 से अधिक कलाकारों ने गिफ्ट सिटी परिसर को राष्ट्र भक्तिमय बना दिया।

इस शो को निहारने के लिए बड़ी संख्या में उमड़ी युवाशक्ति और सामाजिक जीवन के अग्रिणयों की उपस्थिति ने सिद्ध किया है कि 'मेरा देश पहले' केवल कोई साधारण शो नहीं, अपितु नई पीढ़ी की विचारधारा का प्रतीक बन गया है।

'मेरा देश पहले – द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ श्री नरेन्द्र मोदी' की देशभर में हो रही यह प्रस्तुति इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'नेशन फर्स्ट' की भावना अब ऐतिहासिक-सांस्कृतिक आंदोलन बन गई है। इसमें प्रधानमंत्री के गृह राज्य गुजरात के युवा सहित हर कोई उत्साह से जुड़ रहा है।

12 अक्टूबर, शहरी विकास दिवस : श्री नरेन्द्र मोदी की जनसेवा के 24 वर्षों के दौरान गुजरात के शहरी क्षेत्रों में सुदृढ़ रोड, रेलवे तथा एयर कनेक्टिविटी

- गुजरात में बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट अहमदाबाद तथा मुंबई शहर को जोड़ेगा, अहमदाबाद में चल रही है मेट्रो ट्रेन
- अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत गुजरात के 89 रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प
- राजकोट में हीरासर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट; जबकि सूरत में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट कार्यरत, उडान योजना अंतर्गत राज्य में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में वृद्धि

(जीएनएस)। गांधीनगर : 7 अक्टूबर 2025 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सेवा एवं समर्पण के 24 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गुजरात राज्य 7 से 15 अक्टूबर तक विकास सप्ताह मना रहा है। विकास सप्ताह अंतर्गत 12 अक्टूबर का दिन शहरी विकास दिवस के रूप में मनाया जाएगा। गुजरात के मुख्यमंत्री तथा भारत के प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के 24 वर्षों के नेतृत्व में गुजरात उल्लेखनीय शहरीकरण का साक्षी बना है। आज मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात शहरीकरण की दिशा में लंबी छलांगें लगा रहा है। वर्ल्ड क्लास सिटी डेवलपमेंट को वेग देने के लिए राज्य सरकार द्वारा 2025 को शहरी विकास वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की गई है। विशेषकर शहरी क्षेत्रों में सुदृढ़ रोड, रेलवे तथा एयर कनेक्टिविटी के साथ उत्तम परिवहन सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। विशाल एवं चौड़े सड़क मार्गों, आधुनिक सुविधाओं से युक्त ट्रेनों व सुव्यवस्थित रेलवे नेटवर्क, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट्स तथा बंदरगाहों के विकास के साथ गुजरात में एक सुविकसित परिवहन नेटवर्क है, जो गुजरात के नागरिकों को उत्तम कनेक्टिविटी प्रदान करता है।

गुजरात में सड़क मार्गों का सुदृढ़ इन्फ्रास्ट्रक्चर

गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य में सड़क मार्गों का विशाल नेटवर्क निर्मित करने पर बल दिया था। उनके नेतृत्व में गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों में रोड कनेक्टिविटी के लिए प्रगति पथ, शहरी विकास वर्ष अंतर्गत विकास पथ, राज्य के पर्यटन स्थलों को कनेक्टिविटी देने के लिए पर्यटक पथ और गाँवों के किसानों को शहरी क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी देने के लिए किसान पथ योजना लागू की गई थी। आज समग्र राज्य में बढ़ रहे सड़क यातायात परिवहन के प्रबंधन के लिए ओवरब्रिज एवं अंडरब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। विशेषकर राज्य के चार महानगरों अहमदाबाद, राजकोट, वडोदरा व सूरत में ओवरब्रिज तथा अंडरब्रिज के निर्माण द्वारा एक सुदृढ़ रोड नेटवर्क स्थापित किया जा रहा है, जिससे नागरिकों के लिए सड़क परिवहन आसान बन रहा है। उल्लेखनीय है कि फरवरी 2024 में द्वारका तथा बेट द्वारका को जोड़ने वाले अत्याधुनिक सिग्नेचर ब्रिज सुदर्शन सेतु का लोकार्पण किया गया, जिसके माध्यम से इन दो स्थलों के बीच परिवहन आसान बन गया। इसके साथ ही; गुजरात में जामनगर-बठिंडा हाईवे, वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस वे, पोरबंदर-द्वारका नेशनल हाईवे आदि का भी निर्माण किया जा रहा है, जो गुजरात के रोड इन्फ्रास्ट्रक्चर को अधिक मजबूत बनाएंगे। इस वर्ष के बजट में नमोशक्ति एक्सप्रेस वे तथा सोमनाथ-द्वारका एक्सप्रेस वे; इन दो ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे के निर्माण की घोषणा की गई है। अनुमानित 36,120 करोड़ रुपए की लागत से नमोशक्ति एक्सप्रेस वे डीसा से पीपावाव तक निर्मित किया जाएगा, जिसकी लंबाई 430 किलोमीटर होगी। दूसरी ओर सोमनाथ-द्वारका एक्सप्रेस वे कुल 680 किलोमीटर का होगा, जो अनुमानित 57,120 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होगा। इससे अहमदाबाद, राजकोट व द्वारका के आसपास के क्षेत्रों के लिए कनेक्टिविटी सुगम बनेगी। इसके अतिरिक्त; प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से गुजरात में 3,048 गाँवों में 15,330 किलोमीटर लंबे सड़क मार्गों एवं 88 पुलों के निर्माण से अनुमानित 20 लाख से अधिक लोगों को लाभ हुआ, जबकि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 52,224 किलोमीटर लंबे सड़क मार्गों के निर्माण से 16 हजार गाँवों के 2.6 करोड़ से अधिक लोगों को लाभ हुआ है।

गुजरात में चल रही हैं अत्याधुनिक ट्रेनें, सुदृढ़ रेलवे नेटवर्क का निर्माण

तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दीर्घदृष्टि के कारण आज गुजरात में मेट्रो ट्रेनें चल रही हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में अमदाबाद तथा सूरत मेट्रो रेल परियोजनाओं की शुरुआत की थी और भारत के प्रधानमंत्री के रूप में सितंबर 2022 में अहमदाबाद मेट्रो रेल के प्रथम चरण का और सितंबर 2024 में दूसरे चरण का प्रारंभ कराया था। इसके साथ ही सूरत मेट्रो का कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

देश का सर्वप्रथम बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट भी गुजरात में तेजी से आगे बढ़ रहा है। गुजरात का अहमदाबाद तथा महाराष्ट्र का मुंबई; ऐसे पहले शहर होंगे, जो तेज गति की इस बुलेट ट्रेन के प्रत्यक्ष गवाह बनेंगे। इसके अतिरिक्त; प्रधानमंत्री ने सितंबर 2022 में गुजरात में प्रथम वंदे भारत ट्रेन का प्रारंभ कराया था। आज गुजरात में 5 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। इसी प्रकार; केन्द्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना अंतर्गत गुजरात के 89 रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प होने जा रहा है, जिनमें से 18 रेलवे स्टेशनों का प्रधानमंत्री द्वारा मई 2025 में लोकार्पण किया गया है।

अत्याधुनिक एयरपोर्ट्स का निर्माण, क्षेत्रीय एयर कनेक्टिविटी का विकास

गुजरात में एयरपोर्ट्स का भी अत्याधुनिक विकास किया गया है। 1,405 करोड़ रुपए की लागत से राजकोट में हीरासर ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट का निर्माण किया गया है। इस नए एयरपोर्ट के निर्माण के बाद राजकोट के व्यावसायिक विकास को वेग मिला है। इसके साथ ही; 3,400 करोड़ रुपए की लागत से सूरत अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कार्यरत किया गया है। इसी प्रकार; क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को वेग देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'उड़े देश का आम नागरिक' यानी उडान योजना लागू की गई है। इस योजना अंतर्गत गुजरात में भावनगर, जामनगर, कंडला, केशोद, मुंद्रा व पोरबंदर एयरपोर्ट पर कनेक्टिविटी बढ़ी है।

अहमदाबाद तथा सूरत का सफल बीआरटीएस बस प्रोजेक्ट

तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अहमदाबाद में शुरू किया गया बीआरटीएस बस प्रोजेक्ट सबसे सफल प्रोजेक्ट है, जिसके तहत 350 इलेक्ट्रिक बसें आज 16 रूट पर चल रही हैं और दैनिक लगभग 1.5 लाख यात्री उसका लाभ ले रहे हैं। अहमदाबाद के अलावा सूरत में भी बीआरटीएस प्रोजेक्ट कार्यरत है, जहाँ 870 बसें 67 रूट पर चल रही हैं और दैनिक लगभग 1.80 लाख यात्री उसका लाभ ले रहे हैं।

विकास सप्ताह (पंचायती राज दिवस): "समरस से समृद्ध" हो रहीं गुजरात की पंचायतें, 24 वर्षों में 15,500 पंचायतें बनीं "समरस", 351 करोड़ का मिला अतिरिक्त अनुदान

- तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 29 अक्टूबर 2001 को गुजरात में लागू हुई थी समरस ग्राम योजना
- राज्य में अब तक 828 महिला समरस पंचायतें भी बनीं, इन्हें और ज्यादा मिलती है आर्थिक मदद
- विकास सप्ताह के दौरान राज्य के 34 जिलों के ग्रामीण पंचायतों में होंगे 918 कार्यक्रम
- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सखी मंडलों और विभिन्न श्रेणियों में जिलों का सम्मान और स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन

(जीएनएस)। गांधीनगर : 7 अक्टूबर 2001 को श्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेकर प्रशासन के माध्यम से जनसेवा की प्रेरणादायक यात्रा शुरू की, जो इस वर्ष 24 वर्षों का गौरवपूर्ण पड़ाव पूरा कर रही है। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में गुजरात सरकार 7 से 15 अक्टूबर तक राज्यव्यापी 'विकास सप्ताह' मना रही है, जिसमें से आज का दिन यानी 11 अक्टूबर पंचायती राज व्यवस्था और ग्राम स्तर पर सहभागिता को समर्पित है।

क्या है गुजरात का समरस ग्राम योजना मॉडल और क्यों है सबसे ख़ास?

उल्लेखनीय है कि श्री नरेंद्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के कुछ ही दिनों में 29 अक्टूबर 2001 को गुजरात में समरस ग्राम योजना को लागू किया गया था जिसने आज गुजरात के ग्रामीण व पंचायत व्यवस्था का कायापलट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गुजरात की "समरस ग्राम योजना" ग्रामीण लोकतंत्र का सफल मॉडल है, जिसमें ग्राम के सभी वार्ड सदस्य और सरपंच सर्वसम्मति से निर्विरोध चुने जाते हैं। इससे चुनाव में समय व संसाधन बचते हैं और विकास कार्य तेजी से होते हैं। निर्विरोध पंचायतें "समरस ग्राम पंचायत" कहलाती हैं, और यदि सभी सदस्य महिलाएं हों तो "महिला समरस ग्राम पंचायत"।

समरस ग्रामों को राज्य सरकार की ओर से विकास कार्यों के लिए सामान्य आवंटन से अतिरिक्त वित्तीय सहायता दी जाती है जिससे उनके यहाँ बुनियादी सुविधाएँ बेहतर हों। पिछले 24 वर्षों में राज्य सरकार ने समरस पंचायतों को 351.20 करोड़ का अतिरिक्त अनुदान दिया है, जिसमें हाल ही में डेढ़ गुना की वृद्धि भी की है।

2001 से अब तक 15,553 ग्राम पंचायतें "समरस" बनीं, 828 महिला समरस पंचायतें

पंचायत विभाग के एडिशनल डेवलपमेंट कमिश्नर और विकास सप्ताह के तहत पंचायत विभाग दिवस के लिए स्टेट नोडल ऑफिसर डॉ. गौरव दहिया ने कहा, "तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ की गई समरस ग्राम योजना ने गुजरात के ग्रामीण विकास और पंचायत व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन लाया है। यह योजना आज राज्य में अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इससे ग्रामीण पंचायतों को विकास कार्यों के लिए सामान्य आवंटन से अतिरिक्त राशि मिलती है। अब तक 15,553 ग्राम पंचायतें समरस बनी हैं, जिनमें 828 महिला समरस पंचायतें शामिल हैं।"

विकास सप्ताह के दौरान राज्य के 34 जिलों की ग्राम पंचायतों में 918 कार्यक्रमों का आयोजन

इस विकास सप्ताह में पंचायत विभाग के 24 वर्षों के कार्यों के उत्सव के संदर्भ में डॉ. गौरव दहिया ने महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा कीं। उन्होंने बताया, "विकास सप्ताह के अंतर्गत आज यानी 11 अक्टूबर को राज्य सरकार द्वारा विकास रथ के विशेष आयोजन से तीन प्रमुख गाँवों में कार्यक्रम होने जा रहा है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण जीवन में बदलाव लाना और योजनाओं के लाभ सीधे पहुंचाना है। इसके अलावा, राज्य के 34 जिलों में भी 9 दिनों तक विशेष कार्यक्रमों का भी आयोजन होने जा रहा है जिसमें तीन चरणों में कुल 918 कार्यक्रम होंगे। इसमें विभिन्न विभागों के लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिया जाएगा और विकास कार्यों का भूमि पूजन एवं लोकार्पण किया जाएगा।"

विभिन्न श्रेणी में उत्कृष्ट कार्यों के लिए सखी मंडल और जिलों का सम्मान, विभिन्न स्थानीय उत्पादों का भी प्रदर्शन

पंचायत विभाग के एडिशनल डेवलपमेन्ट कमिश्नर डॉ. गौरव दहिया के अनुसार, आज गुजरात लाइवलीहुड प्रमोशन कंपनी लिमिटेड (GLPC) द्वारा सखी मंडलों के उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान में विशेष कार्यक्रम में राजकोट से 2, अमलेरी, मोरबी और जूनागढ़ से एक-एक सखी मंडल को भी पुरस्कृत किया जा रहा है। साथ ही, इस अवसर पर गुजरात की विभिन्न सखी मंडलों के उत्पादों और उनके कार्यों के स्टॉल्स का प्रदर्शन भी हो रहा है।

साथ ही, आज के ही दिन स्वच्छता ही सेवा अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले जिलों को भी सम्मानित किया जा रहा है, जिसमें आदिजाति जिले में डांग, नॉन-ट्राइबल जिले में अहमदाबाद, श्रेष्ठ तहसील में खेडा, श्रेष्ठ ग्राम पंचायत में नवसारी, श्रेष्ठ ग्राम में भरुच, श्रेष्ठ शाला में राजकोट, श्रेष्ठ सखी मंडल में साबरकांठा और श्रेष्ठ सार्वजनिक शौचालय में भावनगर को पुरस्कार देने का आयोजन है।

यात्रियों की सुविधा हेतु भावनगर मंडल की तीन जोड़ी पैसेन्जर ट्रेनों में स्थायी रूप से लगाए जाएंगे एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच

(जीएनएस)। यात्रियों की बढ़ती संख्या एवं उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे द्वारा भावनगर मंडल की तीन जोड़ी पैसेन्जर ट्रेनों में स्थायी रूप से एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच लगाने का निर्णय लिया गया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि इन कोचों की वृद्धि से यात्रियों को अधिक सुविधा प्राप्त होगी तथा यात्रा अनुभव में सुधार होगा।

विस्तृत विवरण निम्नानुसार है –

1.ट्रेन संख्या 59553/59554 गांधीग्राम – बोटाद – गांधीग्राम दैनिक पैसेन्जर ट्रेन में

- गांधीग्राम से दिनांक 14.10.2025 से
- बोटाद से दिनांक 15.10.2025 से

एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच स्थायी रूप से लगाए जाएंगे।

2.ट्रेन संख्या 59555/59556 गांधीग्राम – बोटाद – गांधीग्राम दैनिक पैसेन्जर ट्रेन में

- गांधीग्राम से दिनांक 14.10.2025 से
- बोटाद से दिनांक 15.10.2025 से

एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच स्थायी रूप से लगाए जाएंगे।

3.ट्रेन संख्या 09211/09212 गांधीग्राम – बोटाद – गांधीग्राम दैनिक स्पेशल ट्रेन में

- गांधीग्राम से दिनांक 15.10.2025 से
- बोटाद से दिनांक 14.10.2025 से

एक-एक अतिरिक्त जनरल कोच स्थायी रूप से लगाए जाएंगे।

मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने बताया कि इन कोचों की वृद्धि से यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी और यात्रा अधिक आरामदायक एवं सुगम बनेगी। पश्चिम रेलवे निरंतर यात्रियों की सुविधा एवं सेवा गुणवत्ता में सुधार हेतु तत्पर है।

भावनगर मंडल पर "स्वच्छता पखवाड़ा – 2025" के अंतर्गत, "स्वच्छ नीर" अभियान का आयोजन

(जीएनएस)। "स्वच्छता पखवाड़ा – 2025" के अंतर्गत पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर दिनांक 11 अक्टूबर 2025 को "स्वच्छ नीर" विषय पर विविध स्वच्छता गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। यह अभियान मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर श्री एस. के. मिश्रा के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर मंडल के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों में पेयजल नल क्षेत्रों की गहन सफाई एवं स्वच्छता अभियान चलाया गया। भावनगर, जेतलसर, जूनागढ़, वेरावल, बोटाद एवं पोरबंदर स्टेशनों पर हेल्थ इंस्पेक्टर एवं स्टेशन कर्मचारियों की टीमों द्वारा पेयजल क्षेत्रों की सफाई, पाइपलाइन एवं जल भंडारण टैंकों की जांच की गई।

कोच जल भराई बिंदुओं पर कर्मचारियों को हाइड्रेंट पाइप के समुचित रखरखाव हेतु परामर्श दिया गया। साथ ही विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों से जल के नमूने लेकर उनकी गुणवत्ता की जांच की गई। इस अभियान के तहत कुल 10 स्थानों पर गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें लगभग 40 कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

"स्वच्छ नीर" अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छ, सुरक्षित एवं पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

अभियान से यात्रियों को प्राप्त लाभः

यात्रियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हुई।

स्टेशन परिसरों में स्वच्छता स्तर में सुधार से समग्र वातावरण और स्वच्छ हुआ।

जल गुणवत्ता की नियमित जांच से यात्रियों का रेलवे सेवाओं पर विश्वास बढ़ा।

बेहतर रखरखाव से जल आपूर्ति में निरंतरता एवं पर्याप्त दबाव बना रहा।

स्वच्छ जल से जलजनित बीमारियों का खतरा कम हुआ, जिससे यात्रा और अधिक सुरक्षित व सुखद बनी।

"स्वच्छता पखवाड़ा – 2025" के अंतर्गत भावनगर मंडल द्वारा इस प्रकार की गतिविधियों से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं स्वस्थ परिवेश प्रदान करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ का "इल्युमिनेट 4.0" — इंजीनियरिंग के लिए एक सतत भविष्य की प्रेरणा

(जीएनएस)। एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ (BSE: 540115, NSE: LTTS), जो एआई, डिजिटल और ईआर एंड डी कंसल्टिंग सेवाओं में एक वैश्विक अग्रणी कंपनी है, ने पंडित दीनदयाल एनर्जी यूनिवर्सिटी (PDEU) के सहयोग से अपने प्रमुख पहल "इल्युमिनेट" के चौथे संस्करण का सफल आयोजन वडोदरा में किया। यह आयोजन पंडित दीनदयाल ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ, जिसमें 1,000 से अधिक छात्रों, शिक्षाविदों और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस वर्ष का विषय था — "स्मार्ट इंडस्ट्री, सस्टेनेबल फ्यूचरः इंडिया की अगली छलांग के लिए इंजीनियरिंग इनोवेशन।"

कार्यक्रम में भारत के कुछ प्रमुख वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों ने विचार साझा किए। मुख्य वक्ता डॉ. वी. के. सारस्वत, सदस्य नीति आयोग एवं पूर्व प्रमुख, डीआरडीओ, तथा डॉ. चेतन सोलंकी, संस्थापक – एनर्जी स्वराज फाउंडेशन, ने इंजीनियरिंग के भविष्य पर अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत किए।

डॉ. सारस्वत ने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर अग्रणी बनने के लिए विनिर्माण क्षेत्र को सशक्त करना होगा, एआई आधारित स्मार्ट प्रक्रियाओं को अपनाना होगा और आयात पर निर्भरता घटानी होगी। उन्होंने सतत विनिर्माण (sustainable manufacturing) और स्वदेशी नवाचार (indigenous innovation) के महत्व पर बल दिया, जिससे भारत की सामरिक क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा दोनों मजबूत हों। डॉ. चेतन सोलंकी ने सौर ऊर्जा के व्यापक उपयोग और सतत उपभोग (sustainable consumption) की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ऊर्जा उपयोग को घटाना और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ना जलवायु परिवर्तन से निपटने और ऊर्जा आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में आवश्यक है। डॉ. मधुकर गर्ग, जो पेट्रोलियम रिफाइनिंग एवं पेट्रोकेमिकल्स के विशेषज्ञ और रिलायंस इंडस्ट्रीज में पूर्व आरएंडडी अध्यक्ष रहे हैं, ने परिपत्र अर्थव्यवस्था (Circular Economy) और ग्रीन कार्बन समाधानों के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में स्थिरता और उत्सर्जन में कमी के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण एक फायरसाइड चैट रहा, जिसका संचालन एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ के चीफ सेगमेंट ऑफिसर (प्रोसेस इंडस्ट्री) सुबरत त्रिपाठी ने किया। इस सत्र में डॉ. सारस्वत, डॉ. गर्ग, डॉ. सोलंकी और PDEU के स्कूल ऑफ टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. अनिर्बिद सिरकार ने भाग लिया। चर्चा में यह स्पष्ट हुआ कि उन्नत इंजीनियरिंग भारत के औद्योगिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों के लिए अत्यंत आवश्यक है।

डॉ. सारस्वत ने सेमीकंडक्टर, रेयर अर्थ मटेरियल्स और नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निर्माण को बढ़ावा देने और उत्पादकता सुधार के लिए एआई एवं डिजिटल उपकरणों के उपयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

एल एंड टी टेक्नोलॉजी सर्विसेज़ के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक अमित चड्ढा ने कार्यक्रम की सफलता पर कहा — "वडोदरा में इल्युमिनेट 4.0 के माध्यम से हमारा उद्देश्य वर्तमान इंजीनियरों और भविष्य के नवाचारकर्ताओं के बीच एक सशक्त सेतु बनाना था। प्रतिभागियों का उत्साह और सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि हम उत्कृष्टता और सतत नवाचार की संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह आयोजन भारत और विश्व के बेहतर भविष्य के लिए अगली पीढ़ी को प्रेरित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" कार्यक्रम में युवा नवप्रवर्तकों कार्तिकेय हरियाणी, शनि पंड्या, और आदित्य शुक्ला ने भी अपने तकनीकी विचार साझा किए, जिन्होंने ग्रीन एनर्जी, शहरी स्थिरता और परिपत्र अर्थव्यवस्था के क्षेत्रों में अपने नवाचारी कार्य प्रस्तुत किए — जिससे इस आयोजन का "भविष्य उन्मुख इंजीनियरिंग" पर केंद्रित दृष्टिकोण और मजबूत हुआ।

पश्चिम रेलवे चलायेगी साबरमती-हरिद्वार और गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस के बीच फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

पश्चिम रेलवे द्वारा आगामी दिवाली और छठ पूजा त्योहारों के मद्देनजर यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए साबरमती-हरिद्वार और गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस के बीच स्पेशल ट्रेनें विशेष किराये पर चलाने का निर्णय लिया गया है। इन स्पेशल ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार हैः

ट्रेन संख्या 09425/09426 साबरमती-हरिद्वार द्वि साप्ताहिक एसी स्पेशल (28 फेरे)

ट्रेन संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार स्पेशल 15 अक्टूबर 2025 से 29 नवंबर 2025 तक प्रति बुधवार और शनिवार साबरमती से 08.50 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 05.30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09426 हरिद्वार-साबरमती स्पेशल 16 अक्टूबर 2025 से 30 नवंबर 2025 तक प्रति गुरुवार और रविवार हरिद्वार से 21:40 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 21:30 बजे साबरमती पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन महेसाणा, पालनपुर, आबूरोड, फालना, मारवाड़ जं., अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधीनगर जयपुर, दौसा, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गाँव, दिल्ली केंट, दिल्ली, गाजियाबाद, मेरठ, मुजफ्फरनगर एवं रुड़की स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 3 टियर श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09472/09471 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस सुपरफासट साप्ताहिक स्पेशल [10 फेरे]

ट्रेन संख्या 09472 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट स्पेशल 13 अक्टूबर 2025 से 10 नवंबर 2025 तक प्रति सोमवार गांधीधाम से 20.20 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 09.45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09471 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम सुपरफास्ट स्पेशल 14 अक्टूबर 2025 से 11 नवंबर 2025 तक प्रति मंगलवार बांद्रा टर्मिनस से 12.30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 01.30 बजे गांधीधाम पहुंचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सामाख्याली, हलवद, अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, वापी और बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास एवं द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09425, 09472 और 09471 की बुकिंग 12 अक्टूबर, 2025 से यात्री आरक्षण केन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं में वृद्धि

(जीएनएस)। भारतीय रेल द्वारा समावेशी और सुलभ परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में एक और अहम पहल करते हुए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों में दिव्यांगजनों के लिए आधुनिकतम सुविधाओं की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराई गई है। इन सुविधाओं का उद्देश्य सभी यात्रियों के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और आरामदायक यात्रा अनुभव सुनिश्चित करना है, जो सार्वभौमिक सुगम्यता और यात्री सुविधा के प्रति भारतीय रेल की अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुंबई सेंट्रल और गांधीनगर के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस दिव्यांगजन यात्रियों के लिए सुगमतापूर्वक चढ़ने और उतरने की सुविधा हेतु इन सुविचारित उपायों का उदाहरण है। व्हीलचेयर का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए एक ढलानदार संरचना प्रदान की गई है, जिसके निर्धारित दरवाजों पर आसान पहचान के लिए दिव्यांगजन लोगो प्रदर्शित किए गए हैं। यह ट्रेन दिव्यांगजन यात्रियों की सहायता के लिए स्वचालित दरवाजों से सुसज्जित है जो आसानी

से खुलते और बंद होते हैं। व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं के लिए सुगम पहुँच और आराम सुनिश्चित करने के लिए एक हल्का ढलान भी जोड़ा गया है। उनकी पहुँच को आसान बनाने के लिए निर्दिष्ट डिब्बों में पोर्टेबल रैंप उपलब्ध हैं, जिससे व्हीलचेयर का आसानी से आवागमन सुनिश्चित होता है। इसके अलावा, अतिरिक्त आस-पास की जगह वाले विशेष बैठने के क्षेत्र बनाए गए हैं, जिनकी पहचान कोच की साइड दीवार पर लगे दिव्यांगजन लोगो से होती है। यात्रा के दौरान स्थिरता और सुरक्षा के लिए हैंडरेल युक्त व्हीलचेयर पार्किंग की जगह उपलब्ध है। आसान पहचान और सुविधा के लिए स्टिकर और साइनेज स्पष्ट रूप से अंकित किए गए हैं।

श्री विनीत ने आगे बताया कि दृष्टिबाधित यात्रियों की सहायता के लिए, सीट संख्या, कोच के प्रवेश द्वार और शौचालय जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर ब्रेल लिपि साइनेज लगाए गए हैं, जिससे स्वतंत्र गतिशीलता और आराम की सुविधा मिलती है।

इन व्यापक अपग्रेडेशनों के साथ भारतीय रेल न केवल सुगम्यता को बढ़ा रही है, बल्कि सभी के लिए बाधा-मुक्त, समावेशी और सम्मानजनक यात्रा के अपने दृष्टिकोण को भी सुदृढ़ कर रही है। मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस पश्चिम रेलवे की एक गौरवशाली उपलब्धि है। यह राष्ट्रीय रेल नेटवर्क पर प्रगति, नवाचार और समावेशिता का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। ऐसी पहलों के माध्यम से भारतीय रेल गति, आराम और समावेशिता को एकीकृत करके आधुनिक रेल यात्रा के मानकों को पुनः परिभाषित करना जारी रखे हुए है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रत्येक यात्रा न केवल कुशल हो, बल्कि सभी यात्रियों की आवश्यकताओं के प्रति समान और सम्मानजनक भी हो।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी.तीन जोड़ी फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल-शकूर बस्ती, बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम और साबरमती-हरिद्वार के बीच विशेष किराए पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

1. ट्रेन संख्या 09003/09004 मुंबई सेंट्रल–शकूर बस्ती एसी सुपरफास्ट स्पेशल [92 फेरे]

ट्रेन संख्या 09003 मुंबई सेंट्रल–शकूर बस्ती एसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रतिदिन मुंबई सेंट्रल से 10:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:00 बजे शकूर बस्ती पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09004 शकूर बस्ती–मुंबई सेंट्रल एसी सुपरफास्ट स्पेशल प्रतिदिन शकूर बस्ती से 10:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 10:30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 30 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, कोसी कलां और दिल्ली सफदरजंग स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

2. ट्रेन संख्या 09471/09472 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल [10 फेरे]

ट्रेन संख्या 09471 बांद्रा टर्मिनस-गांधीधाम साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को बांद्रा टर्मिनस से 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 01:30 बजे गांधीधाम पहुँचेगी। यह ट्रेन 14 अक्टूबर से 11 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09472 गांधीधाम-बांद्रा टर्मिनस साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक सोमवार को गांधीधाम से 20:20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 13 अक्टूबर से 10 नवंबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, हलवद और सामाख्याली स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-2 टियर, एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच होंगे।

3. ट्रेन संख्या 09425/09426 साबरमती-हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल [28 फेरे]

ट्रेन संख्या 09425 साबरमती-हरिद्वार द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल प्रत्येक बुधवार और शनिवार को साबरमती से 08:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:30 बजे हरिद्वार पहुँचेगी। यह ट्रेन 15 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09426 हरिद्वार-साबरमती द्वि-साप्ताहिक एसी स्पेशल ट्रेन प्रत्येक गुरुवार और रविवार को हरिद्वार से 21:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 21:30 बजे साबरमती पहुँचेगी। यह ट्रेन 16 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, फालना, मारवाड़, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, गांधी नगर जयपुर, दौसा, अलवर, रेवाड़ी, गुड़गांव, दिल्ली कैंट, दिल्ली जंक्शन, गाजियाबाद, मेरठ सिटी, मुजफ्फर नगर और रुड़की स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर कोच होंगे।

ट्रेन संख्या की 09003, 09471, 09472 एवं 09425 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर 12.10.2025 से शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

भावनगर रेलवे मंडल पर नव नियुक्त 48 तकनीशियन – III कर्मचारियों के लिए प्रवेश पाठ्यक्रम का आयोजन

(जीएनएस)। पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल को रेलवे भर्ती बोर्ड, अहमदाबाद द्वारा इलेक्ट्रिक एवं मैकेनिकल विभाग में 70 तकनीशियन – III का पैनल प्राप्त हुआ है, जिनमें से 48 तकनीशियन – III ने भावनगर मंडल में रिपोर्ट किया है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने जानकारी देते हुए बताया कि इन नव नियुक्त तकनीशियनों को रेलवे की कार्यप्रणाली से अवगत कराने हेतु 10 अक्टूबर, 2025 को प्रवेश पाठ्यक्रम (Induction Training) का आयोजन किया गया। इस पाठ्यक्रम में रेलवे के विविध नियमों, कार्य प्रणाली एवं सुरक्षा मानकों की जानकारी प्रदान की गई। विशेष रूप से यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर श्री दिनेश वर्मा, मंडल रेल प्रबंधक – भावनगर परा ने उपस्थित कर्मचारियों को रेलवे के महत्वपूर्ण कार्यों तथा उनमें कर्मचारियों की जिम्मेदार भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने सभी नव नियुक्त कर्मचारियों का रेल परिवार में स्वागत करते हुए सुरक्षा एवं संरक्षा के प्रति सजग रहते हुए अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में श्री हिमाँशु शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक – भावनगर परा सहित विभिन्न शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने नव नियुक्त कर्मचारियों को विभागीय कार्यप्रणाली, तकनीकी दायित्वों एवं सुरक्षित यात्री सेवा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।